R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 200
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
सोमवार, 30 मार्च, 2026

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का डीएम ने किया निरीक्षण... 5 स्कूल गेट पर ट्रांसफार्मर हटाने की मांग को लेकर ... 7 अनंतपुर में विजय-रश्मिका को देखकर पागल ...

दिल्ली में खूनी वारदात : मां के सामने ही दोस्त को उतारा मौत के घाट

अवैध संबंधों के शक में बेटे ने किया हमला

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश की राजधानी के निहाल विहार इलाके में बीते दिन सरेराह एक युवक की चाकू मारकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरी वारदात को महिला के अपने ही बेटे ने अंजाम दिया। आरोपी को शक था कि उसकी मां और मृतक के बीच अवैध संबंध हैं। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार दोपहर को कंट्रोल रूम में सुमित नाम के युवक का फोन आया जिसने बताया कि उसके भाई की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने जब तफ्तीश शुरू की तो वारदात के पीछे की कहानी सुनकर हर कोई दंग रह गया। जांच में सामने आया कि मृतक अमन आरोपी रोहित की मां के साथ पश्चिम विहार से निहाल विहार की ओर जा रहा था। इसी दौरान आरोपी रोहित अचानक अपनी बाइक पर वहां पहुंचा। उसने आव देखा न ताव और अपनी मां की आंखों के सामने ही अमन पर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। अमन लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़ा और आरोपी रोहित मौके से फरार हो गया।

पुलिस पूछताछ में यह बात निकलकर आई है कि रोहित को अपनी मां और अमन के बीच कथित तौर पर अवैध संबंध होने का गहरा शक था। इसी रंजिश के चलते उसने अमन को ठिकाने लगाने की साजिश रची और मौका मिलते ही उस पर जानलेवा हमला कर दिया। निहाल विहार थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए हत्या की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। फरार होने के कुछ ही समय बाद पुलिस ने आरोपी रोहित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब इस मामले में अन्य गवाहों के बयान दर्ज कर रही है।

पत्नी और 3 बेटियों को कमरे में ताला लगाकर खुद दूसरे कमरे में जाकर पिता फंदे पर लटका

छतरपुर **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश से एक दिल को दहलाने वाली घटना सामने आई है। इस घटना से हर कोई हिल गया। दरअसल बड़ामलहरा में आज रविवार की सुबह वार्ड नंबर 1 में एक रूह कंपा देने वाले घटनाक्रम से सभी सहम गए।

एक पिता ने अपनी पत्नी और तीन मासूम बेटियों को कमरे में बाहर से ताला लगाकर बंद कर दिया और खुद दूसरे कमरे में मौत को गले लगा लिया। इस हृदय विदारक घटना ने सभी को सन्न करके रख दिया कि आखिर एक पिता ने ऐसा दर्दनाक कदम क्यों उठाया। एक पिता ने अपनी मासूम बेटियों को कमरे में कैद करके खुद को हमेशा के लिए उनसे दूर कर लिया।

लिहाजा शख्स ने ये आत्मघाती कदम क्यों उठाया, पुलिस इसकी बारीकी से जांच कर रही है और इसके पीछे के कारणों को तलाशने की कोशिश में जुटी है।

यात्री ने विमान लैंडिंग के दौरान दरवाजा खोलने का किया प्रयास, पुलिस पूछताछ में बताई ये हैरान कर देने वाली बात

वाराणसी **(एजेंसी)**। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बेंगलुरु से आ रही इंडिगो विमान का दरवाजा एक युवक द्वारा खोलने का प्रयास किया गया। क्रू मेंबर्स ने तत्काल उसे रोक लिया। पायलट ने इसकी सूचना एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को दी। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल द्वारा युवक से पूछताछ के बाद उसे फूलपुर पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया।

आरोपी युवक मोहम्मद अदनान मऊ जिले का रहने वाला है। इंडिगो की फ्लाइट 6ई-185 बेंगलुरु से रात्रि 8 बजे उड़ी थी। बताया जा रहा है कि अदनान ने सफर शुरू होते ही एक बार दरवाजा खोलने का प्रयास किया था। क्रू मेंबर्स ने उसे समझा-बुझाकर बैठा दिया था। विमान के वाराणसी पहुंचने और लैंडिंग की सूचना मिलते ही अदनान एक बार फिर सीट से उठकर गेट के पास पहुंच गया।

क्रू मेंबर्स ने उसे पुनः रोककर बैठा दिया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, अदनान पहली बार हवाई सफर कर रहा था। शायद इसी वजह से वह थोड़ा घबराया हुआ था। इंडिगो प्रबंधन की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पुलिस की पूछताछ में उसने बताया कि उसके ऊपर भूत प्रेत का साया है। उसने यह हरकत की नहीं बल्कि भूत द्वारा करवाई गई। आरोपी द्वारा इस तरह का नाटकीय ढंग से बहाना बनाए जाने के बाद पुलिस भी हैरान रह गई। फिलहाल, पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

मन की बात के 132वें एपिसोड में पीएम मोदी ने कहा- युद्ध के बीच अफवाहों से बचें, एकजुट होकर चुनौती का सामना करें

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच वहां रहने वाले भारतीयों को दी गई मदद के लिए खाड़ी देशों के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि भारत वैश्विक ईंधन संकट का डटकर सामना कर रहा है। अपने रेडियो का यक्रम 'मन की बात' के 132वें एपिसोड में, पीएम मोदी ने राजनीतिक दलों और नागरिकों से अपील की कि वे पश्चिम एशिया संघर्ष का राजनीतिकरण न करें और अफवाहें फैलाने से बचें।

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष के कारण पैदा हुई वैश्विक उथल-पुथल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'मार्च का महीना वैश्विक स्तर पर काफी घटनापूर्ण रहा है। अतीत में, कोविड के कारण पूरी दुनिया को लंबे समय तक कई समस्याओं का सामना करना पड़ा था। हम सभी को उम्मीद थी कि कोविड संकट से उबरने के बाद, दुनिया एक नई शुरुआत के साथ प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगी।

लेकिन दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में युद्ध और संघर्ष की स्थितियां लगातार बनी रहीं। फिलहाल, हमारे पड़ोस में पिछले एक महीने से भीषण युद्ध चल रहा है। लाखों परिवारों के रिश्तेदार इन देशों में रहते हैं, और खासकर खाड़ी देशों में काम करते हैं। मैं खाड़ी देशों का आभारी हूं कि उन्होंने वहां रहने वाले एक करोड़ से अधिक भारतीयों को हर तरह की मदद मुहैया कराई।' 'पूरी दुनिया में पेट्रोल और डीजल को लेकर एक संकट गहरा रहा है।

हमारे वैश्विक संबंध, विभिन्न देशों से हमें मिलने वाला समर्थन, और पिछले एक दशक में हमने जो ताकत हासिल की है, उसकी बदौलत भारत इन चुनौतियों का डटकर सामना करने में सक्षम है।

ये निश्चित रूप से चुनौतीपूर्ण समय हैं। आज, 'मन की बात' के माध्यम से, मैं एक बार फिर अपने सभी देशवासियों से आग्रह करूंगा कि हम एकजुट होकर इस चुनौती का सामना करें, ' प्रधानमंत्री ने आगे कहा।

इसके अलावा, विपक्ष पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि 'स्वार्थ भरी राजनीति की कोई जगह नहीं है।' 'जो लोग इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहे हैं, उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। यह मुद्दा 140 करोड़ भारतीयों के हितों से जुड़ा है, और इसमें स्वार्थ भरी राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है। जो लोग अफवाहें फैला रहे हैं, वे देश को बहुत नुकसान पहुंचा रहे हैं। मैं सभी देशवासियों से यह भी अपील करना चाहूंगा कि वे सतर्क रहें और अफवाहों से गुमराह न हों।

सरकार द्वारा दी जा रही लगातार जानकारियों पर भरोसा करें और उसी के आधार पर कदम उठाएं, ' उन्होंने कहा। पश्चिम एशिया में संघर्ष की शुरुआत 28 फरवरी को ईरान पर इज़राइल और अमेरिका के हमलों से हुई, जिसमें सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए। जब ईरान ने जवाबी कार्रवाई की, तो संघर्ष का दायरा और बढ़ गया, जिससे इस क्षेत्र में उसके पड़ोसी देश भी प्रभावित हुए।

जहाँ एक ओर वैश्विक बाज़ारों में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गईं, वहीं केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीज़ल पर एक्साइज़ ड्यूटी घटाने का फैसला किया है। पीएनजी संकट की खबरों के बीच, सरकार ने पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की ओर बढ़ने का फैसला किया है, और इसके लिए पाइपलाइन बिछाने के बुनियादी ढांचे के काम में तेज़ी लाई जा रही है।

हम केरल में अगली सरकार बनाएंगे : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूडीएफ और एलडीएफ दोनों पर निशाना साधते हुए उन पर ''दशकों तक भ्रष्टाचार करने और राजनीतिक अवसरवादिता में लिप्त होने'' का रविवार को आरोप लगाया। मोदी ने यहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा, ''दशकों से वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने मिलकर केरल को लूटा है इस व्यवस्था में हमारा केरल फंसा रहा है।'' मोदी ने कहा, ''कांग्रेस और वामपंथी दल एक-दूसरे पर झूठे आरोप लगाते हैं आपको दोनों से सावधान रहना चाहिए।'' उन्होंने दावा किया कि केरल ''बदलाव का संदेश भेज रहा है'', जिसमें युवाओं, महिलाओं और किसानों के बीच भाजपा के लिए समर्थन बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन केरल में अगली सरकार बनायेगा।

मोदी ने कहा, ''केरल में 'टीम भाजपा' और 'टीम राजग' मिलकर सरकार बनायेंगे। केरल की जनता के आशीर्वाद और आपके सहयोग से हम यहां सरकार बनाएंगे और केरल की सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।'' उन्होंने केंद्रीय निधियों के दुरुपयोग का भी आरोप लगाते हुए कहा, ''यह पैसा आपका था, लेकिन उन्होंने इसे लूट लिया है।'' उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि दोनों मोर्चे भाजपा के उदय से भयभीत हैं और कहा कि उनके ''गलत काम उजागर हो जाएंगे।'' विकास का वादा करते हुए मोदी ने कहा कि राजग सरकार लूटे गए धन को वापस लाएगी और केरल में विकास को गति देगी।

जैदपुर सीएचसी परिसर में विकराल अग्निकांड

एक के बाद एक धूं-धूं कर जल उठीं 13 एंबुलेंस आसमान में छाया काले धुएं का गुबार

बाराबंकी **(एजेंसी)**। जनपद के जैदपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रविवार की दोपहर उस वक्त कोहराम मच गया, जब अस्पताल परिसर में खड़ी एंबुलेंसों में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि देखते ही देखते एक के बाद एक 13 एंबुलेंस आग के गोले में तब्दील हो गईं। आसमान में उठते धुएं के गुबार और उठती लपटों को देख अस्पताल में मौजूद मरीजों और तीमारदारों के बीच अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर मोर्चा संभाला और बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

घटना रविवार दोपहर की है जब जैदपुर सीएचसी परिसर के एक हिस्से में खड़ी एंबुलेंस गाड़ियों से अचानक धुंआ उठने लगा। इससे पहले कि कोई कुछ समझ पाता तेज आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। मौके पर मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। आग लगने की वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है लेकिन चिलचिलाती धूप और गर्मी के बीच लगी इस आग ने चंद मिनटों में ही विभाग की गाड़ियों को राख के ढेर में बदल दिया।

सूचना मिलते ही सबसे पहले जैदपुर पुलिस मौके पर पहुँची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। पुलिसकर्मियों ने साहस का परिचय देते हुए जल रही एंबुलेंसों के पास खड़ी अन्य सुरक्षित गाड़ियों को ट्रैक्टर व अन्य वाहनों से खींचकर वहां से दूर किया जिससे दर्जनों अन्य वाहन जलने से बच गए। इसी बीच दमकल की गाड़ियां भी मौके पर पहुँच गईं और पानी की बौछार कर आग को शांत किया। हालांकि तब तक 13 एंबुलेंस पूरी तरह जलकर लोहे के ढांचे में बदल चुकी थीं।

बताया जा रहा है कि परिसर में करीब 42 एंबुलेंस गाड़ियां लंबे समय से खड़ी थीं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इन वाहनों के वैल्यूएशन और स्क्रैप (कबाड़) की प्रक्रिया जारी थी, लेकिन इनके निस्तारण में हुई देरी आज एक बड़े हादसे का कारण बन गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा पूर्व में इन पुरानी गाड़ियों के मूल्यांकन के लिए एआरटीओ को पत्र भी भेजा गया था। फिलहाल पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम आग लगने के असली कारणों की जांच कर रही है। गनीमत रही कि आग अस्पताल की मुख्य बिल्डिंग तक नहीं पहुँची वरना एक बड़ी जनहानि हो सकती थी।

तमिलनाडु चुनाव 2026 : थलपति विजय दो सीटों से लड़ेंगे चुनाव

उम्मीदवारों के नाम के साथ 'सीटी' चुनाव चिह्न का किया ऐलान

चेन्नई **(एजेंसी)**। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार और तमिलगा वेत्री कड़गम के प्रमुख विजय ने रविवार को 2026 तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए हुंकार भर दी है। विजय ने न केवल अपनी पार्टी के उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की बल्कि भ्रष्टाचार मुक्त शासन और जनता के प्रति जवाबदेही का बड़ा वादा भी किया।

राजनीति के मैदान में उतरने के बाद विजय ने साफ कर दिया है कि वह मोर्चे से नेतृत्व करेंगे। विजय ने घोषणा की है कि वह त्रिची ईस्ट और चेन्नई की पेरम्बूर सीट से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने जनता से अपनी पार्टी के चुनाव चिह्न 'सीटी' को वोट देने की अपील की है।

चुनावी रैली को संबोधित करते हुए विजय ने सीधे तौर पर मतदाताओं के दिलों को छूने की कोशिश की। उन्होंने कहा जीत के बाद मैं वादा करता हूं कि हम सार्वजनिक धन का दुरुपयोग नहीं करेंगे और न ही भ्रष्टाचार को पनपने देंगे। विजय ने राज्य को नशामुक्त बनाने और महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी केवल लोगों के लिए है और हमेशा उनके हितों की रक्षा करेगी।

विजय ने अपनी पार्टी के उम्मीदवारों को 'जनता का असली रक्षक' बताया। उन्होंने कहा कि उनके प्रत्याशी बड़े अमीर या बाहुबली नहीं हैं बल्कि साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं जो आम आदमी के संघर्ष को समझते हैं।

एक विधायक को सिर्फ अनुभव के भरोसे नहीं रहना चाहिए, बल्कि उसमें ईमानदारी और जिम्मेदारी होनी चाहिए। मैंने हर उम्मीदवार को बहुत सोच-समझकर चुना है।

विजय की इस एंट्री ने तमिलनाडु की राजनीति में हलचल मचा दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रमुक और अन्य स्थापित दलों को सीधे निशाने पर लिया है। सुशासन, युवाओं को अवसर और जन-कल्याण के वादों के साथ विजय ने जनता से 'सिर्फ एक मौका' मांगा है।

गुजरात में नफ़रत का माहौल, दलितों और आदिवासियों पर अत्याचार लगातार बढ़े हैं : राहुल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को आरोप लगाया कि गुजरात में भाजपा सरकार के राज में दलित और आदिवासी समुदायों के खिलाफ़ नफ़रत, भेदभाव और अत्याचार का माहौल लगातार बढ़ता जा रहा है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने 2016 के ऊना पिटाई कांड के पीड़ितों के साथ भी एकजुटता ज़ाहिर की और कसम खाई कि जब तक उन्हें इंसाफ़ नहीं मिल जाता, तब तक वे उनकी आवाज़ उठाते रहेंगे।

गांधी ने सोशल मीडिया पर ये बातें तब कहीं, जब उन्होंने गुजरात के दलित और आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधियों के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ अपनी हाल की बातचीत का एक वीडियो शेयर किया। इस प्रतिनिधिमंडल में ऊना घटना से प्रभावित लोग भी शामिल थे, जिसमें खुद को 'गौ-रक्षक' कहने वालों ने चार युवकों को बेरहमी से पीटा था। वीडियो के साथ अपने पोस्ट में उन्होंने कहा, 'यह मुलाक़ात बहुत ही तकलीफ़देह थी और इसने मुझे काफ़ी सोचने पर मजबूर कर दिया।'

पिटाई की यह घटना 11 जुलाई, 2016 को गिर-सोमनाथ ज़िले के ऊना शहर के पास मोटा समधियाला गाँव में हुई थी। उस समय चार दलित युवक अपने पुश्तैनी काम के तहत एक गाय की खाल उतार रहे थे, जिसकी मौत उससे पहले किसी दूसरे गाँव में हो गई थी। आरोपियों, जो खुद को 'गौ-रक्षक' कहते थे, ने उन युवकों को बेरहमी से पीटा। इसके बाद उन्हें ग़ैर-क़ानूनी तरीक़े से हवालात में डाल दिया गया और पुलिसवालों ने भी उनके साथ मारपीट की।

गांधी ने अपने हिंदी पोस्ट में कहा, 'लगभग 10 साल पहले, ऊना की घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था। दलित युवकों को सरेआम नंगा करके बेरहमी से पीटा गया था। उस समय, मैं उनके परिवारों के साथ एकजुटता के साथ खड़ा था।' उन्होंने कहा, 'लेकिन यह बेहद अफ़सोस की बात है कि एक दशक बीत जाने के बाद भी उन्हें अब तक इंसाफ़ नहीं मिला है; उनके ज़ख्म अभी भी हरे हैं, और इसके उलट, हालात और भी ज़्यादा बिगड़ गए हैं।'

गांधी ने कहा, 'जब मैंने प्रतिनिधिमंडल की बातें सुनीं, तो यह साफ़ हो गया कि हालात सुधरने के बजाय और भी ज़्यादा चिंताजनक हो गए हैं। एक व्यक्ति को इतनी बेरहमी से पीटा गया कि उसके शरीर में 19 जगह हड्डियाँ टूट गईं। एक दूसरे व्यक्ति के भाई को तो महज़ एक मनमानी के चलते ज़िंदा जला दिया गया।' उन्होंने कहा कि ये घटनाएँ महज़ अलग-थलग अपराध नहीं हैं, बल्कि ये एक ऐसे माहौल की कड़वी सच्चाई को दिखाती हैं जो डर और अन्याय से भरा हुआ है।

उन्होंने कहा कि सबसे ज़्यादा चिंता की बात यह है कि जो लोग अपने अधिकारों की माँग के लिए आवाज़ उठाते हैं, उन्हें सुनियोजित तरीके से दबाया जाता है कभी धमकियों से, कभी हिंसा से, और अक्सर हत्या करके। गांधी ने आरोप लगाया, 'गुजरात में भाजपा सरकार के राज में, दलित और आदिवासी समुदायों के खिलाफ नफ़रत, भेदभाव और ज़ुल्म का माहौल लगातार बढ़ता गया है।' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि ऊना घटना के पीड़ित आज भी इंसाफ़ का इंतज़ार कर रहे हैं। गांधी ने कहा कि इंसाफ़ के लिए यह लंबा इंतज़ार जो 10 साल से चल रहा है अपने आप में एक बड़ा अन्याय है। उन्होंने कहा कि यह महज़ कुछ अलग-थलग घटनाओं का मामला नहीं है, बल्कि यह एक ऐसे सिस्टम की नाकामी को दिखाता है जिसमें कमज़ोर लोगों की आवाज़ दबा दी जाती है, जबकि अपराधी आज़ाद घूमते हैं।

गांधी ने कहा, 'मैं पहले भी इन परिवारों के साथ खड़ा था, आज भी उनके साथ खड़ा हूँ, और जब तक उन्हें इंसाफ़ नहीं मिल जाता, मैं उनकी आवाज़ उठाता रहूँगा।' इस बातचीत का वीडियो पोस्ट करते हुए विपक्ष के नेता ने कहा, 'ऊना की पुकार आज भी इंसाफ़ के दरवाज़े पर दस्तक दे रही है। पिछले 10 सालों से, पीड़ित इंसाफ़ की तलाश में दर-दर भटक रहे हैं।' उन्होंने कहा कि भाजपा-शासित गुजरात में दलितों और आदिवासियों के लिए अपमान, हिंसा और हत्या ही सच्चाई बन गई है। उन्होंने दावा किया, '(प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी जी का यही असंवैधानिक और अन्यायपूर्ण मॉडल अब पूरे देश पर थोपा जा रहा है।'

ईरान युद्ध के बीच अमित शाह का बड़ा बयान कहा- न लगेगा लॉकडाउन, न होगी तेल की किल्लत!

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रही जंग के दौरान भारत में फैल रही तरह-तरह की अफवाहों पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूरी तरह से रोक लगा दी है। असम विधानसभा चुनाव के सिलसिले में गुवाहाटी में एक भव्य रोड शो के दौरान शाह ने देशवासियों को भरोसा दिलाया कि भारत किसी भी वैश्विक संकट से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है और घबराने की जरूरत नहीं है। गृह मंत्री ने सोशल मीडिया पर चल रही लॉकडाउन की खबरों को पूरी तरह से नकार दिया है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि सरकार का देश में लॉकडाउन लगाने का कोई इरादा नहीं है। उनके मुताबिक, देश में हालात पूरी तरह से सामान्य हैं और सरकार हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है।

अमित शाह ने भरोसा दिलाया कि देश में पेट्रोल, डीजल या रसोई गैस की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने बहुत पुख्ता इंतजाम किए हैं। पिछले 10 सालों में भारत ने अपने तेल भंडार (स्ट्रेटेजिक ऑयल रिज़र्व) को काफी मजबूत किया है, जो किसी भी इमरजेंसी में देश की ज़रूरतों को पूरा करने में सक्षम हैं।सरकार ने लोगों से अपील की है कि वे डरकर ज़्यादा सामान जमा न करें। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी कहा है कि भले ही समुद्री रास्तों पर हलचल हो, लेकिन भारत के पास स्टॉक की कोई कमी नहीं है। सरकार अब रसोई गैस सिलेंडर की जगह पाइप्ड गैस का नेटवर्क तेज़ी से बढ़ा रही है, ताकि भविष्य में कोई कमी न हो।

नाबालिक के साथ दुष्कर्म करने वाला वांछित इनामिया अभियुक्त चढ़ा पुलिस के हत्थे

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले की भवानीगंज थाना पुलिस द्वारा नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी ? 25, 000/- का इनामियां वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा।जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेशानुसार अपराध एवं अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज बृजेश कुमार वर्मा के निर्देशन में बृजेश सिंह थानाध्यक्ष भवानीगंज मय टीम के द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 13/2026 धारा 137(2), 87, 64(2) एम, 78(2), 351(3) बीएनएस व 5/6 व 11/12 पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित ? 25, 000/- का इनामिया वांछित अभियुक्त सोनू मिश्रा पुत्र राजित राम निवासी ग्राम शंकरपुर झिसनी थाना थानगांव जिला सीतापुर को भड़रिया चौराहे से आगे स्थित धर्मकाटा के पास से थानाध्यक्ष बृजेश सिंह म, उप निरीक्षक राममिलन सिंह, कांस्टेबल सिद्धार्थ सिंह, कांस्टेबल अनीत वर्मा, कांस्टेबल रामबीर यादव की टीम ने गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर, न्यायालय भेजा।

मिशन शक्ति टीम द्वारा महिला सुरक्षा के प्रति महिलाओं और बालिकाओं को पुलिस ने किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के खेसरहा थाना मिशन शक्ति टीम द्वारा मिशन शक्ति फेज 5.0 द्वितीय चरण के तहत थाना क्षेत्र के ग्राम घोसियारी में महिलाओं/ बालिकाओ को महिला अपराध व उससे बचाव, नये कानून तथा साइबर अपराध सुरक्षा व विभिन्न हेल्पलाइन नम्बर आदि के बारे में पम्पलेट वितरित कर जागरुक किया।

जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेन्दु सिंह तथा थानाध्यक्ष अनूप कुमार मिश्र थाना खेसरहा के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम के उप निरीक्षक जियाउल्लाह, हेड कांस्टेबल राहुल सिंह, महिला कांस्टेबल अंजली यादव, महिला कांस्टेबल ज्योति तिवारी द्वारा महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत थाना क्षेत्र के ग्राम घोसियारी में महिलाओं व बलिकाए आदि लोग उपस्थित हुए जिन्हे महिला सम्बन्धित नये कानून व महिला सम्बन्धित अपराध, साइबर अपराध जागरूकता, नये कानून कार्यक्रम के तहत उपस्थित उपरोक्त महिला सशक्तिकरण सम्बन्धित बातों को बताते हुए मिशन शक्ति फेज 5.0 के द्वितीय चरण कार्यक्रम के अंतर्गत निम्न हेल्पलाइन नंबर, महिला से सम्बन्धित कानूनो के बारे मे जानकारी देते हुए तथा वहां उपस्थित महिलाओं व बालिकाओं को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त किये गये कल्याणकारी योजनाओं व विधियों के बारे में जागरुक किया।

महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे में जानकारी दी गई ।

शोहरतगढ थाना द्वारा पुलिस द्वारा एक नफर वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल पर्यवेक्षण में मंयक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहतगढ के कुशल निर्देशन मे प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह थाना शोहरतगढ के नेतृत्व मे उप निरीक्षक संतोष कुमार यादव मय टीम द्वारा सम्बन्धित मु0अ0स0 44/26 धारा 87, 69, 351(3) बीएनएस थाना शोहरतगढ से सम्बन्धित नामित अभियुक्त राहुल चौहान पुत्र स्व0 बसंत चौहान निवासी ग्राम कलनाखोर थाना खेसरहा जनपद सिद्धार्थनगर उम्र 26 वर्ष को चेकिंग सदिग्ध ब्यक्ति/ पतारसी सुरागरसी से मुखबीर खास की सूचना पर उप निरीक्षक संतोष कुमार यादव, कांस्टेबल प्रभाकर यादव, कांस्टेबल राधेश्याम चौहान की टीम ने खुनुंवा मोड के पास से नियमानुसार गिरफ्तार किया गया । विधिक कार्यवाही कर न्यायालय भेजा।

पुलिस ने महिला सुरक्षा के प्रति स्कूली छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के क्रम में थाना शिवनगर डिइई पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र के सेंथ मैरी कॉन्वेंट स्कूल में मिशन शक्ति अभियान, नये कानून , साइबर अपराध सुरक्षा व एंटी रोमियो अभियान के तहत बालिकाओं/महिलाओं को जागरूक किया।

जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में व क्षेत्राधिकारी बांसी शुभेंदु सिंह तथा प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार मौर्य के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार मौर्य, उप निरीक्षक अयोध्या यादव, महिला कांस्टेबल नीलम शुक्ला, महिला कांस्टेबल प्रतिमा दूबे, कांस्टेबल गुड्डू यादव द्वारा महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत सेंथ मैरी कॉन्वेंट स्कूल में पीटीएम के आयोजन में उपस्थित होकर मिशन शक्ति अभियान के तहत छात्र/छात्राओं व उपस्थित अभिभावक के बीच बहू/बेटी सम्मेलन के सम्बन्ध में बालिकाओं/ महिलाओं को मिशन शक्ति के तहत जागरुक किया गया। तथा महिला संबंधी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101अग्निशमन हेल्प लाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर व नए कानून के बारे में जानकारी दी गई ।

आरेडिका ने वित्तवर्ष 2025-26 में कोचों के 100 रेक विभिन्न रेलवे को सौंपे

मंत्र भारत संवाददाता

रायबरेली। आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली ने वित्तीय वर्ष 2025-26 का 100वें रेक को सफलतापूर्वक विभिन्न रेलवे को सौंपकर एक नया मुकाम हांसिल किया। यह उपलब्धि पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 के 87 रेक से 13 रेक अधिक है। इन 100 रेक कोचों में दीन दयालु, स्लीपर, एसी3, एसी2 पावरकार, मेमू आदि के कोच शामिल है।

इसके साथ ही इस वित्तीय वर्ष के 25 मार्च को ही आरेडिका ने अभी तक के सर्वाधिक कोच उत्पादन 2025 को भी पीछे छोड दिया और नये कीर्तिमान को बनाने की ओर अग्रसर है। महाप्रबंधक विवेक खरे ने बताया कि पिछले 3 वर्षों से लगातार आरेडिका अपने उत्पादन को बढाते जा रहा है और इस वर्ष भी आरेडिका अपने उत्पादन की गति को लगातार बनाये हुए है। उन्होने आगे कहा कि इस वर्ष हम अभी तक सर्वाधिक कोच एवं व्हील का उत्पादन करेंगे जो हमारे कर्मचारियों, अधिकारियों एवं संविदाकर्मियों के श्रम एवं समर्पण का परिणाम है।

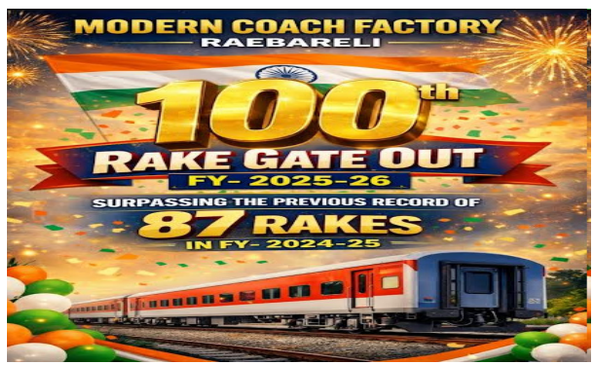

फ्रेशर और फेयरवेल पार्टी में मेडिकल स्टूडेंटों का पूर्व मंत्री व विधायक ने किया उत्सवर्धन

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के बांसी विधानसभा क्षेत्र के सोनखर में स्थित श्री राम बिलास इंस्टिट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड मेडिकल साइंसेज में फ्रेशर और फेयरवेल पार्टी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री व विधायक जय प्रताप सिंह पहुंच कर मेडिकल स्टूडेंटों का उत्साहवर्धन किया । उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. विमल द्विवेदी (वरिष्ठ आर्थोपेडिक सर्जन, सिद्धार्थ नगर) तथा डॉ. अनीता द्विवेदी (प्रबंधक एस.आर.बी.आई.एन.एम.एस., वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ) ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में नव प्रवेशित छात्रों का स्वागत एवं वरिष्ठ छात्रों को भावभीनी विदाई दी गई। इस दौरान छात्रों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे नृत्य, संगीत एवं मनोरंजन प्रस्तुत किए गए, जिसने सभी का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में छात्रों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं तथा उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। प्रबंधक डॉ अनीता द्विवेदी ने बताया की संस्थान के दस वर्ष पूर्ण हो चुके है इस दस वर्ष में संस्था के उत्तीर्ण छात्र देश के सभी प्रदेशों में सेवा प्रदान कर रहे है, साथ ही संस्थान नित नये कोर्स लाकर जनपद के छात्रों को रोजगार परक शिक्षा दे रहा है, कार्यक्रम में विजेता मिस फ्रेशर, ममता बीएससी नर्सिंग, ज्योति जीएनएम, राजमती एएनएम, कन्हैया, आलोक, फेयरवेल अंजनी एएनएम, साक्षी मणि त्रिपाठी रही।कार्यक्रम के अंत में प्रिंसिपल श्रीमती जूही शुक्ला ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया एवं छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

इस मौके पर इंद्रजीत तिवारी, अजय कुमार अध्यापक आरजू, शिवानी द्विवेदी, गरिमा यादव, प्रतीक्षा पाण्डेय, सोनी चौरसिया, रीता पाल, ए.एन.एम., जी.एन.एम., पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, बीएससी नर्सिंग, डी फार्मा, डिप्लोमा इन ऑप्टोमेट्री, डिप्लोमा इन फिजियोथेरेपी, के छात्र/छात्राएं सम्मिलित रही।

परिवार परामर्श केंद्र की पहल लाई रंग, काउंसलिंग से टूटा दांपत्य कलह का बंधन

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देशन में संचालित परिवार परामर्श केंद्र ने शनिवार को एक बार फिर बिखरते परिवार को जोड़ने में सफलता प्राप्त की।

ज्ञात हो कि काउंसलर सुरेश जायसवाल एवं परिवार परामर्श केंद्र की टीम द्वारा शनिवार को 8 फाइलों की काउंसलिंग की गई, जिसमें एक प्रकरण में पति-पत्नी एवं उनके परिजनों की सहमति से सफल सुलह-समझौता कराया गया। दोनों पक्षों ने स्वीकार किया कि अब उनके बीच कोई मनमुटाव नहीं है और वे आपसी प्रेम से जीवन व्यतीत करेंगे। केंद्र की ओर से दोनों को पारिवारिक कर्तव्यों का स्मरण कराते हुए बड़ों का सम्मान करते हुए नई शुरुआत करने की सलाह दी गई।

बेटे की मौत के बाद बहू से गुजारा भत्ता मांग सकते हैं सास-ससुर?

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा- नहीं!

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण कानूनी व्यवस्था देते हुए स्पष्ट किया है कि नैतिक जिम्मेदारी को कानूनी जिम्मेदारी के तौर पर लागू नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यह टिप्पणी एक बुजुर्ग दंपति की उस याचिका को खारिज करते हुए की, जिसमें उन्होंने अपने बेटे की मृत्यु के बाद अपनी बहू से गुजारा भत्ता दिलाने की मांग की थी।

एक बुजुर्ग दंपति, जिनका बेटा उत्तर प्रदेश पुलिस में कांस्टेबल था, उसकी 2021 में मृत्यु हो गई थी। बुजुर्गों का कहना था कि वे अनपढ़ हैं और पूरी तरह अपने बेटे पर निर्भर थे। बेटे की मृत्यु के बाद उसकी पत्नी (बहू), जो खुद भी यूपी पुलिस में कांस्टेबल है, उसे नौकरी से जुड़े सभी वित्तीय लाभ मिले। बुजुर्गों ने दलील दी कि पर्याप्त आय होने के कारण बहू का यह कर्तव्य है कि वह अपने सास-ससुर का ख्याल रखे।

जस्टिस मदन पाल सिंह की पीठ ने 4 फरवरी को दिए अपने फैसले में कहा कि समाज में बहू का अपने सास-ससुर की सेवा करना एक नैतिक जिम्मेदारी मानी जा सकती है, लेकिन कानून में इसका कोई अनिवार्य प्रावधान नहीं है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब तक कानून में लिखित आदेश न हो, तब तक किसी भी नैतिक भावना को कानूनी रूप से थोपा नहीं जा सकता।

बुजुर्ग दंपति ने 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता' की धारा 144 के तहत राहत मांगी थी। कोर्ट ने इस पर गौर करते हुए कहा, 'यह धारा केवल पत्नी, बच्चों और माता-पिता को गुजारा भत्ता दिलाने का अधिकार देती है। कानून बनाने वालों ने सोच-समझकर 'सास-ससुर' को इस सूची से बाहर रखा है। इसलिए, इस कानून के तहत बहू को सास-ससुर के भरण-पोषण के लिए आदेश नहीं दिया जा सकता।'

हाई कोर्ट ने फैमिली कोर्ट के पुराने फैसले को सही ठहराते हुए बुजुर्गों की याचिका खारिज कर दी। अदालत ने यह भी नोट किया कि रिकॉर्ड में ऐसा कोई सबूत नहीं है जिससे साबित हो कि बहू को नौकरी 'अनुकंपा' (बेटे की जगह) के आधार पर मिली थी। कोर्ट ने अंत में दोहराया कि गुजारा भत्ता केवल वही लोग मांग सकते हैं जो कानून द्वारा निर्धारित विशेष श्रेणियों में आते हैं।

चायल में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा, राजस्व अधिकारियों पर मिलीभगत के आरोप

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जनपद की चायल तहसील क्षेत्र अंतर्गत पेरई गाँव में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे का गंभीर मामला प्रकाश में आया है। आराजी संख्या 753 की ग्राम सभा भूमि पर दबंग तत्त्वों द्वारा निर्माण कराया जा रहा है, जिसमें राजस्व विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत के आरोप भी लग रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार इस प्रकरण में उपजिलाधिकारी, तहसीलदार और लेखपाल की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि उक्त भूमि पर पूर्व में लेखपाल द्वारा धारा 67 के तहत कार्रवाई की जा चुकी है, इसके बावजूद निर्माण कार्य पुनः जारी है। ग्रामीणों ने कई बार शिकायत की, किंतु अब तक कोई ठोस कदम न उठाए जाने से जनाक्रोश बढ़ता जा रहा है। निष्पक्ष जाँच की माँग तेज हो रही है और प्रशासन की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

पुलिस ने महिला सशक्तिकरण अभियान चलाकर महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

सिद्धार्थनगर। जिले के मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) अभियान के क्रम में थाना जोगिया उदयपुर पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र के योग माया में मिशन शक्ति अभियान, नये कानून , साइबर अपराध सुरक्षा व एंटी रोमियो अभियान के तहत बालिकाओं/ महिलाओं को जागरूक किया गया।

सिद्धार्थनगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बांसी शुबेन्दु सिह तथा थानाध्यक्ष अभय सिंह थाना जोगिया उदयपुर के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति टीम उप निरीक्षक आनन्द कुमार शाही, महिला कांस्टेबल पूजा यादव, महिला कांस्टेबल रानी विश्वकर्मा द्वारा थाना क्षेत्र के योग माया में महिलाओं एवं बालिकाओं को , नये कानून , साइबर अपराध सुरक्षा व एंटी रोमियो अभियान के सम्बन्ध में जागरूक किया गया तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) कार्यक्रम के अंतर्गत महिला सम्बन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर, व नए कानून के बारे में जानकारी दी गई व नई धाराओं को भी बताया गया।

सगाई टूटने के बाद युवक अश्लील फोटो वायरल करने की दे रहा धमकी

कौशाम्बी। चरवा थाना इलाके के एक गांव में सगाई टूटने के बाद एक युवक अपनी मंगेतर और उसके परिवार को परेशान कर रहा है। पीड़ित परिवार ने रविवार को थाने जाकर घटना की तहरीर दी। तहरीर मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। चरवा खुर्द गांव निवासी जगलाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसने अपनी बेटी अर्चना की शादी सैनी थाना इलाके के एक गांव निवासी युवक के साथ तय की थी। सगाई की रस्में पूरी हो चुकी थीं, लेकिन दहेज को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई। इसके बाद आपसी सहमति से रिश्ता समाप्त कर दिया गया और लेन-देन भी निपटा लिया गया।

आरोप है कि रिश्ता टूटने के बावजूद युवक लगातार युवती के मोबाइल पर फोन कर संपर्क करने का प्रयास करता रहा। इतना ही नहीं, अलग-अलग नंबरों से कॉल कर गाली-गलौज करता है और अश्लील फोटो भेजकर परिवार को बदनाम करने की धमकी दे रहा है। पीड़ित ने बताया कि आरोपी ने सोशल मीडिया पर फोटो वायरल करने और लड़की की शादी कहीं न होने देने की बात भी कही है। पीड़ित परिवार का कहना है कि आरोपी की हरकतों से वे मानसिक रूप से काफी परेशान हैं। रविवार को पीड़ित परिवार ने थाने जाकर पुलिस को साक्ष्य उपलब्ध कराते हुए तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

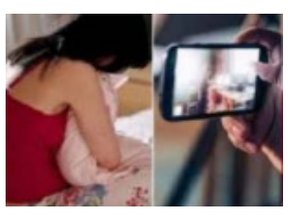

डोरमा हादसे के बाद एसपी सख्त

एनएच19 पर अब हाईवे पर खड़े ट्रक पर होगा सीज और जुर्माना

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र स्थित डोरमा राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर हुए हृदयविदारक सड़क हादसे ने पूरे प्रशासन को झकझोर दिया है। मुंडन संस्कार से लौट रहे फतेहपुर के 10 श्रद्धालुओं की दर्दनाक मृत्यु के बाद पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने कड़े दंडात्मक निर्देश जारी किए हैं।

ज्ञात हो कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित होटलों और ढाबों के पास पर्याप्त पार्किंग न होने के कारण ट्रक चालक अपने वाहन मुख्य सड़क पर खड़े कर देते हैं, जो पीछे से आने वाले वाहनों के लिए घातक बन जाते हैं। अब पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया है कि हाईवे पर किसी भी वाहन का अवैध पड़ाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नियम उल्लंघन पर भारी जुर्माने के साथ वाहन मौके पर सीज किया जाएगा। इतना ही नहीं, अब ढाबा संचालकों की भी जवाबदेही तय की जाएगी। यदि उनके प्रतिष्ठान के पास पार्किंग न हो और वाहन सड़क पर खड़ा मिले तो संचालक के विरुद्ध भी कठोर कानूनी कार्रवाई होगी। सैनी कोतवाली में एक विशेष टीम गठित की गई है जो राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर चौबीस घंटे गश्त करेगी। ढाबा संचालकों को नोटिस थमा दी गई है।

मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का डीएम ने किया निरीक्षण, दिए दिशा निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य मेले के अवसर पर जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पुरानी नौगढ़ तथा नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कंदवा बाजार धुसरी का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, व्यवस्थाओं की स्थिति तथा मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का गहनता से जायजा लिया। नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पुरानी नौगढ़ में जिलाधिकारी ने ओपीडी, दवा वितरण कक्ष, टीकाकरण कक्ष तथा प्रसव कक्ष का निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों से मरीजों के उपचार, दवाओं की उपलब्धता तथा दैनिक मरीज संख्या के संबंध में जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी मरीजों को समय पर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने रजिस्टरों का निरीक्षण करते हुए अभिलेखों को अद्यतन रखने के निर्देश भी दिए। नगरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पुरानी नौगढ़ व नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कंदवा बाजार में यह पाया गया कि ओपीडी की संख्या बहुत ही काम है इससे यह प्रतीत होता है कि अधीक्षक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र द्वारा मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का प्रचार प्रसार नहीं किया जा रहा है मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया जाता है कि आशा हुआ आंगनबाड़ी को आंगनबाड़ी को निर्देशित करें कि मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का प्रचार प्रसार सही से कराया जाए एवं ओपीडी की संख्या कम होने के कारण जिलाधिकारी द्वारा नाराजगी व्यक्त की गई मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि संबंधित डॉक्टरों का स्पष्टीकरण प्राप्त करें

इसके उपरांत जिलाधिकारी ने नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कंदवा बाजार धुसरी का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने मुख्यमंत्री आरोग्य मेले के अंतर्गत लगाए गए विभिन्न स्वास्थ्य शिविरों का अवलोकन किया। मेले में आयुष्मान भारत योजना, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण, परिवार नियोजन तथा जांच सेवाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने उपस्थित लाभार्थियों से बातचीत कर उन्हें मिल रही सुविधाओं के बारे में फीडबैक भी प्राप्त किया।

जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जी एन ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि सभी आवश्यक दवाएं, जांच उपकरण एवं चिकित्सकीय संसाधन पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें।

निरीक्षण के दौरान स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया। जिलाधिकारी ने परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने, कचरा निस्तारण की समुचित व्यवस्था करने तथा मरीजों के बैठने एवं पेयजल की उचित सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री आरोग्य मेला शासन की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को निःशुल्क एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं जिम्मेदारी के साथ करें, जिससे आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।निरीक्षण के समय यह भी पाया गया कि मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में शान द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं का इंस्टॉल नहीं लगा था।

छोटे बच्चों में जन्मजात रीढ़ की बीमारी का एमआईआर द्वारा किया गया सफल ऑपरेशन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। छोटे बच्चों में जन्मजात रीढ़ की नस में गांठ काफ़ी असामान्य बीमारी है। इसको न्यूरल ट्यूब डिफेक्ट या स्पाइनल डिसरैफिस्म कहा जाता है। यह कई प्रकार के होते हैं। मां के गर्भ में पल रहे भ्रूण में विकार होने पर रीढ़ की हड्डी और नसों का सामान्य विकास बाधित हो जाता है।

इन्हीं विकारों में से एक समस्या का नाम है स्प्लिट कार्ड मलफॉर्मेशन। यह बहुत ही दुर्लभ बीमारी है। इसमें रीढ़ की हड्डी पीछे की तरफ बढ़कर रीढ़ की नस/स्पाइनल कॉर्ड को दो भागों में विभाजित कर देती है जिसके कारण बच्चे के पैरों की ताकत घट जाती है और उसका मल मूत्र का नियंत्रण भी बाधित हो जाता है। यह बीमारी 5000 नवजात शिशुओ में से एक (0.02ं) शिशु में पाई जाती है।

इसमें शिशु को जन्म से ही रीढ़ में एक बड़ा उभार होता है। इस बीमारी में एमआरआई की जांच आवश्यक होती है जिसमें रीढ़ के रचनात्मक विकार को गहराई से अध्ययन किया जाता है और सर्जरी की रणनीति बनाई जाती है। यह

बहुत ही जटिल सर्जरी होती है क्योंकि उसमें रीढ़ की नसों को बचाते हुए उनके बीच की हड्डी को हटाना पड़ता है और फिर एक प्राकृतिक स्पाइनल कॉर्ड का पुनर्निर्माण करना पड़ता है।

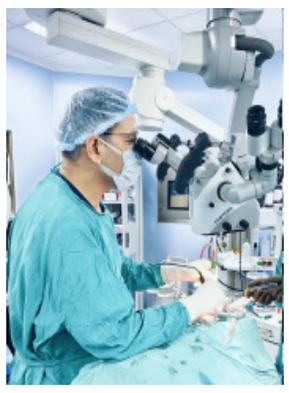

मिर्जापुर के एक परिवार से 3 वर्षीय बच्ची को इसी प्रकार की समस्या थी जिसका बचपन में एक बार ऑपरेशन हो चुका था।

एमआरआई में उसका स्पाइनल कॉर्ड एक हड्डी की अतिवृद्धि के कारण दो भागों में बट गई थी और बच्ची को पैरों ने कमज़ोरी भी थी। स्वरूप रानी अस्पताल के न्यूरोसर्जरी विभाग के हेड डॉ पंकज गुप्ता ने बच्ची का सफल ऑपरेशन कर उसे एक नया जीवन दिया।

केस के बारे में डॉ गुप्ता ने बताया कि इस प्रकार का जटिल ऑपरेशन करने में बहुत सावधानी बरतनी पड़ती है। पहले सावधानीपूर्वक बीच की हड्डी को माइक्रो ड्रिल से हटाया गया और फिर विभाजित नसों को मध्य में संगठित करके एकल स्पाइनल कॉर्ड का पुनर्निर्माण किया गया। मरीज की बची हुई हड्डियों से नस के ऊपर रीढ़ की हड्डी का भी पुनर्निर्माण किया गया।

ऑपरेशन पूर्णतः सफल रहा और बच्ची को 6 दिन के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। बच्ची के परिवार ने न्यूरोसर्जरी विभाग, प्रधानाचार्य डॉ वी के पाण्डेय, उप प्रधानाचार्य डॉ मोहित जैन और एसआईसी डॉ नीलम सिंह को धन्यवाद दिया।

पहले इस तरह के जटिल ऑपरेशन के लिए मरीजों को दिल्ली मुंबई या लखनऊ का रुख करना पड़ता था और एक मोती रकम भी खर्चनी पड़ती थी लेकिन अब सभी आधुनिक मशीनों के होने के कारण यह ऑपरेशन अब नियमित तौर पर पीएमएसएसवाई बिल्डिंग में नाम मात्र खर्च में हो रहे हैं। डॉ पंकज गुप्ता ने इसका सारा श्रेय केंद्र और राज्य सरकार की दूर दर्शिता को दिया है।

महिला चेतना क्लब द्वारा 'एक पहल शिक्षा समिति' से जुड़े जरूरतमंद बच्चों को स्कूल बैग एवं पाठ्य सामग्री का किया वितरण

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इफको फूलपुर महिला चेतना क्लब द्वारा समाजसेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए महिला चेतना क्लब ने 'एक पहल शिक्षा समिति' से जुड़े जरूरतमंद बच्चों के बीच स्कूल बैग एवं पाठ्य सामग्री का वितरण किया। यह कार्यक्रम घ इफको कम्युनिटी सेंटर, घियानगर में आयोजित किया गया। इस पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से अत्यंत कमजोर एवं वंचित वर्ग के बच्चों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है।

उल्लेखनीय है कि इन बच्चों का संबंध समाज के अत्यंत निम्न एवं वंचित वर्ग से है, जिनके परिवारों के पास स्थायी आवास भी नहीं है और वे अनधिकृत झुग्गियों में रहकर अपना जीवनयापन कर रहे हैं। ये बच्चे पहले अपने माता-पिता के साथ कूड़ा बीनने जैसे कार्यों में भी संलग्न थे, लेकिन अब शिक्षा के माध्यम से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास किया जा रहा है।

इस अवसर पर क्लब द्वारा कक्षा 9, 10, 11 एवं 12 के लगभग 50 विद्यार्थियों की छह माह की ट्यूशन फीस भी वहन की गई। इस सहयोग से विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई निरंतर जारी रखने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

कार्यक्रम के दौरान क्लब की सदस्याओं ने बच्चों से संवाद कर उन्हें शिक्षा के महत्व के बारे में बताया और नियमित रूप से विद्यालय जाने के लिए प्रेरित किया। बच्चों के चेहरों पर नई सामग्री पाकर खुशी साफ झलक रही थी, जिससे पूरे वातावरण में उत्साह और सकारात्मकता का माहौल बन गया।

इस कार्यक्रम में महिला चेतना क्लब की अध्यक्षा सरिता सिंह, सचिव किरण बड़वर एवं सामाजिक सचिव गीता सिंह के साथ-साथ कोषाध्यक्ष नीरू सक्सेना की विशेष उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन किरण बड़वर द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नूपुर पाराशर, रेखा जायसवाल एवं पुष्पा यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के दौरान अध्यक्षा सरिता सिंह ने अपने संबोधन में शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जीवन का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जीवन में कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद डॉ. कलाम ने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से ऊंचाइयों को प्राप्त किया। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि जन्म किस परिवार में हो, यह हमारे हाथ में नहीं होता, लेकिन अपने प्रयासों और मेहनत से हम अपने भविष्य को अपनी पसंद के अनुसार संवार सकते हैं।

अपने संबोधन के अंत में उन्होंने महान कवि हरिवंश राय बच्चन की प्रसिद्ध पंक्तियां 'कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती' सुनाकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें जीवन में निरंतर प्रयास करते रहने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के अंत में 'एक पहल शिक्षा समिति' के संस्थापक सदस्य विवेक दुबे ने महिला चेतना क्लब का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस सहयोग से बच्चों को पढ़ाई में काफी सहायता मिलेगी।

पदाधिकारियों ने बताया कि इस प्रकार की सामाजिक गतिविधियाँ भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगी, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा से जोड़ा जा सके।

भजन संध्या, होली मिलन समारोह संपन्न

कलयुग में सिद्ध हो देव तुम्ही हनुमान जी तुम्हारा क्या कहना...

प्रयागराज। हरिश्याम मानव कल्याण, शिक्षा एवं शोध संस्थान अम्बेडकर विहार, चौफटका, प्रयागराज की ओर से भजन संध्या और होली मिलन समारोह अम्बेडकर विहार, चौफटका परिसर में आज धूमधाम से मनाया गया।भजन संध्या में प्रसिद्ध भजन गायक पं रत्नेश दुबे की प्रस्तुति पर लोग झूमते रहे। उन्होंने जय गणपति वंदन गणनायक, मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे, मेरी चुनर में लग गइयो दाग़ रे कैसो चटक रंग डालो, कलयुग में सिद्ध हो देव तुम्ही हनुमान जी तुम्हारा क्या कहना जैसे देवी गीतों पर लोग तालियां बजाते हुए झूमते रहे। इस दौरान विनय कुशवाहा भजन, अभिषेक कुमार ढोलक, आशीष कुमार पैड, शीबू भट्ट कीबोर्ड, उदय कुमार तबला, प्रियांशु कुमार ढोल पर थे। संस्था के सचिव एवं कार्यक्रम के आयोजक राजीव कुमार मिश्र और सहयोगियों ने सभी अतिथियों को तिलक लगाकर अंगवस्त्रम और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। होली मिलन समारोह में पुष्प वर्षा के बीच लोग थिरकते रहे और एक - दूसरे पर पुष्पवर्षा करते रहे।भजन

संध्या, होली मिलन समारोह में पूर्व मंत्री और विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता उदयभान करवरिया, महापौर गणेश केसरवानी, किन्नर अखाडा की प्रदेश अध्यक्ष महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि (छोटी मां), पूर्व आईजी बीपी त्रिपाठी, इविवि के पूर्व प्रो (डा) सीताराम त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार सुनील शुक्ला, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, महामंत्री डा शैलेश कुमार पाण्डेय, सनातन एकता मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं अशोक कुमार पाठक, बाल आयोग के चेयरमैन डा अखिलेश मिश्रा, गुरूकुल मांटेसरी के प्रबंधक वीरेन्द्र सिंह, प्रधानाचार्या अमिता मिश्रा, डा वंदना सिंह, वरिष्ठ शिक्षक नेता डा हरि प्रकाश यादव, कमलेश यादव शिक्षाविद, समाजसेवी और अन्य लोग शामिल हुए।

स्कूल चलों अभियान एक को, शामिल होंगे सभी जन प्रतिनिधि

बेहतर शिक्षण, शैक्षणिक माहौल पर जोर : बीएसए अनिल कुमार

कहा कि परिषदीय विद्यालयों में करवाएं बच्चों का प्रवेश , पढाई का पूरा खर्च उठाएगी सरकार

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। बेसिक शिक्षा प्रयागराज की ओर से स्कूल चलों अभियान एक अप्रैल बुधवार को सुबह 10 बजे से जिला पंचायत सभागार के सामने से शुरू होगा, जो कलेक्ट्रेट से कटरा, जगराम चौराहा होते हुए जिला पंचायत सभागार में संपन्न होगा। स्कूल चलों अभियान की संगोष्ठी में प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्या, प्रभारी मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह, कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता, भदोही सांसद डा रमेश कुमार बिंद, जिला पंचायत अध्यक्ष डा वीके सिंह, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, महामंत्री डा शैलेश कुमार पाण्डेय, महापौर गणेश केसरवानी, विधायक ई हर्षवर्धन बाजपेई, विधायक दीपक पटेल, विधायक वाचस्पति, विधायक गुरू प्रसाद मौर्य, एमएलसी डा केपी श्रीवास्तव,

एमएलसी सुरेन्द्र चौधरी, पूर्व मंत्री सिद्धार्थ नाथ सिंह, विधायक पीयूष रंजन निषाद, विधायक राजमणि कोल, डीएम मनीष कुमार, सीडीओ हर्षिका सिंह, एडी बेसिक संजय कुमार कुशवाहा सहित अन्य अधिकारी शामिल होंगें। बीएसए अनिल कुमार ने बताया कि परिषदीय विद्यालयों में बेहतर शैक्षणिक माहौल और बेहतर शिक्षण पर जोर दिया जा रहा है जिससे कि पढकर निकलने वाले बच्चे भविष्य में आगे बढकर देश के विकास में योगदान दें। उन्होंने कहा कि जनपद में संचालित सभी परिषदीय विद्यालयों में छह से 14 वर्ष के बच्चों का निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा के अधिकार के तहत प्रवेश प्रारंभ है, अभिभावक अपने बच्चे का प्रवेश अपने नजदीकी परिषदीय विद्यालय में करवाएं, पढाई का पूरा खर्च उत्तर प्रदेश सरकार उठाएगी।

बीएसए अनिल कुमार ने बताया कि परिषदीय विद्यालयों में बच्चों का प्रवेश होने पर पक्का एवं सुरक्षित विद्यालय, निःशुल्क किताबें, एवं वर्कबुक, दो सेट यूनिफार्म, जूते, मोजे, स्वेटर, बैग एवं स्टेशनरी, प्रतिदिन पौष्टिक मध्यान्ह भोजन, शुद्ध पेयजल एवं स्वच्छ शौचालय, बिजली एवं पंखो की सुविधा, स्मार्ट क्लास एवं डिजिटल शिक्षा, प्रशिक्षित एवं अनुभवी शिक्षक, पुस्तकालय एवं खेल सामग्री, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियां, स्वास्थ्य जांच एवं दवाइयां, डीबीटी के माध्यम से धनराशि स्टेशनरी आदि के लिए 1200 रूपये, दिव्यांग बच्चों के लिए विशेष सुविधाएं और नियमित मूल्यांकन एवं बेहतर शिक्षा वातावरण है।

भावनाओं के नाम पर ठगी की कहानी 'बकरी' ने मंच पर दिखाया समाज का कड़वा सच

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। रविवार की सांझ जब केंद्र प्रेक्षागृह की रोशनी जली, तो मंच पर सिर्फ एक नाटक नहीं, बल्कि समाज का आईना जीवंत हो उठा। भावनाओं, आस्था और भोलेपन के नाम पर होने वाली ठगी की मार्मिक कथा ने दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर दिया। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित भरतमुनि नाट्य समारोह के तीसरे दिन सुप्रसिद्ध नाटक 'बकरी' का प्रभावशाली मंचन किया गया।

डॉ. शिशु कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में प्रस्तुत यह नाटक प्रख्यात साहित्यकार सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की चर्चित रचना पर आधारित है। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. धनञ्जय चोपड़ा, कोर्स कोऑर्डिनेटरसेंटर ऑफ़ मीडिया स्टडीज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा, उपनिदेशक (प्रशासन) डॉ. आदित्य श्रीवास्तव एवं उपनिदेशक (कार्यक्रम) डॉ. मुकेश उपाध्याय द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के चर्चित नाटक बकरी नाटक के माध्यम से दिखाया गया है कि डकैत प्रवृति के तीन युवक दुर्जन सिंह, कर्मवीर व सत्यवीर अपने पुराने धंधा को छोड़कर ठगी करने की योजना बनाते है। अपनी योजना के अनुसार गांव के दलित की बकरी को दीवान द्वारा चोरी करवा देते है। साथ ही गांव के भोली-भाली जनता से गांधी जी के बकरी के नाम पर दान लेना शुरू कर देते हैं। बकरी नाटक में बकरी जनता के रूप में आधार बनाकर नेताओं की छवि को लोगों के सामने रखा गया।

नाटक में दिखाया गया है कि नेता जनता को गुमराह करते हैं और चुनाव में विजय हासिल कर लेते हैं। आम जनता हर बार ठगी जाती है। जनता निरीह नजर आती है। इस बात का प्रमाण नाटक में जनता के संवाद से स्पष्ट है। हालांकि, नाटक के अंत में जनता प्रतीकात्मक विद्रोह के माध्यम से नकली पहलुओं की पोल खोल देती है, लेकिन सवाल फिर भी अधूरा रह जाता है कि क्या पोल खोलना ही समाधान है। नौटंकी शैली में प्रस्तुत इस नाटक में कजरी, सोहर और निर्गुण जैसे लोकगीतों का सशक्त समावेश दर्शकों को लोक संस्कृति से जोड़ते हुए संदेश को और प्रभावी बनाता है। नाटक के अंत में जनता प्रतीकात्मक विद्रोह के माध्यम से सच्चाई उजागर करती है, लेकिन यह सवाल भी छोड़ जाती है कि क्या केवल सच सामने लाना ही पर्याप्त है, या बदलाव के लिए जागरूकता और सक्रियता भी जरूरी है।

अभिनय के रूप में दीवान की भूमिका में हर्ष अग्रवाल, दुर्जन सिंह के रूप में ओमेन्द्र पुरी गोस्वामी तथा कर्मवीर के रूप में हर्षल मेश्राम ने अपने सशक्त अभिनय से दर्शकों की खूब सराहना बटोरी।

डायट प्राचार्य राजेन्द्र प्रताप के निर्देशन में लगा रोजगार मेला

रोजगार मेले में नौ कंपनियों ने 400 प्रतिभागियों का किया चयन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) प्रयागराज एवं क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय प्रयागराज की ओर से उप शिक्षा निदेशक/ प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान प्रयागराज के प्राचार्य राजेन्द्र प्रताप के मार्गदर्शन में आज डायट परिसर में प्लेसमेंट ड्राइव (रोजगार मेले) का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले में विभिन्न क्षेत्रों से 9 कंपनियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें लगभग 400 प्रतिभागियों का चयन हुआ। इस रोजगार मेले की सबसे खास बात यह रही कि पहली बार डायट, प्रयागराज ने निजी क्षेत्र के प्राथमिक से माध्यमिक स्तर तक के प्रतिष्ठित विद्यालयों को रोजगार मेले में आमंत्रित किया और उनके माध्यम से बीएड, डीएलएड, टीईटी, सीटीईटी उत्तीर्ण

अभ्यर्थियों की चयन प्रक्रिया संपादित हुई। केएल कॉन्वेंट बारा एवं महर्षि विद्या मंदिर मेजा जैसे सीबीएसई बोर्ड के विद्यालयों ने मेले में प्रतिभाग किया एवं योग्य शिक्षकों का अपने विद्यालयों में चयन किया। इस मेले में 125 से अधिक शिक्षकों का चयन इन विद्यालयों द्वारा एवं संस्थाओं ने किया। विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने इस प्लेसमेंट ड्राइव की सराहना करते हुए इसे और व्यापक रूप देने का सुझाव दिया गया ताकि भविष्य में सुव्यवस्थित रूप से एक ऐसा प्लेटफ़ॉर्म तैयार हो जहां शिक्षक और विद्यालय अपनी जरूरतों के हिसाब से चयन कर सकें। यह जानकारी जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट प्रयागराज के प्लेसमेंट ड्राइव के प्रभारी डॉ राजेश कुमार पांडेय ने दी है।

मिशन शक्ति द्वारा महिलाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति /एंटी रोमियो टीम द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति 5.0' फेज 2 अभियान, महिलाओं एवं बालिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन का संदेश देते हुए किया गया जागरूक । पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज व अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के कुशल पर्यवेक्षण में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0 के द्वितीय चरण' के तहत जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति /एंटी रोमियो टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत बालिकाओं व महिलाओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर 101 आदि के बारे में जानकारी दी गई इसके साथ ही साइबर फ्रॉड के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में जागरूक किया गया ।

भाजपाइयों ने सुनी प्रधानमंत्री जी की मन की बात 132 वां संस्करण

भारत हर संकट का सामना करने में सक्षम : महापौर गणेश केसरवानी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के 132 वें मन की बात संस्करण का आयोजन महापौर कैंप कार्यालय में आयोजित किया गया इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी ने भाजपा और विचार परिवार के कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विचारों को श्रवण किया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मन की बात में अपनी नहीं विकसित भारत की उड़ान भरने का संदेश देते है और अपने विचारों से राष्ट्र का पुरुषार्थ जाग्रत करने का वैचारिक दर्शन जन जन तक पहुंचाते हैं। और देश के नागरिकों के द्वारा किए गए राष्ट्र हित के कार्यों की चर्चा करते हुए।

उनका उत्साह वर्धन कर देश की प्रगति के लिए उसके कार्य को विकिसित भारत के लिए उपयोगी सिद्ध करते हैं। और आगे कहा कि मन कि बात जन संवाद का एक बहुत बड़ा हिस्सा बन चुका है। और आगे कहा कि आज युद्ध की संकट की घड़ी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सफल नेतृत्व में भारत आज हर संकट का सामना करने में सक्षम है। और लड़ना जानता है और विपक्ष इस सकंट की घड़ी में भ्रम फैला कर सत्ता प्राप्त करने का जो ख्वाब देख रहा है

उनके मंसूबे कामयाब नहीं होने वाले हैं क्योंकि पूरा देश बडे विश्वास के साथ मोदी जी के साथ खडा है।

इस अवसर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी पूर्व उपाध्यक्ष विवेक अग्रवाल, पार्षद मुकेश कसेरा बब्बन प्रजापति रुद्रसेन जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मन की बात राष्ट्र के लिए कार्य करने का प्रेरणा प्रदान करता है। इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को सरल एप अपलोड किया। संचालन टी एन दीक्षित ने किया। इस अवसर पर तपन भट्‌चार्य हिमालय सोनकर, अर्चना वर्मा नरेंद्र जायसवाल, राजा मेहरोत्रा, नीरज केसरवानी, अशोक गुप्ता, कुलदीप आदि सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

ईरान के भीतर तक ऐसे घुसा इज़राइल गली-मोहल्ले, किनारों के सीसीटीवी कैमरे को ही बना लिया अपना निगरानी हथियार

दुनिया की जासूसी और तकनीकी जंग अब एक नए और खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुकी है। हाल में सामने आई जानकारी ने यह साबित कर दिया है कि आधुनिक युद्ध केवल मिसाइल और टैंक से नहीं लड़े जाते, बल्कि कैमरों, डाटा और अदृश्य एल्गोरिदम से भी तय होते हैं। रिपोर्ट के अनुसार इजराइल ने ईरान की सड़कों पर लगे कैमरों को एक ऐसे घातक हथियार में बदल दिया, जिसने सीधे सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई तक खतरे की रेखा खींच दी।

यह कोई साधारण साइबर हमला नहीं था। यह एक सुनियोजित, गहराई तक घुसपैठ करने वाली रणनीति थी, जिसमें हजारों कैमरों को हैक कर उन्हें जासूसी और निशाना तय करने के औजार में बदल दिया गया। ईरान के शहरों, घरों और सड़कों पर लगे कैमरे, जो सुरक्षा के लिए लगाए गए थे, वही अचानक इजराइल की आंख और कान बन गए।

रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल ने ईरान के निगरानी तंत्र में ऐसी सेंध लगाई कि लगभग हर गतिविधि उसकी नजर में आ गई। यह केवल फुटेज देखना नहीं था, बल्कि लोगों की आवाजाही, उनके रोजमर्रा के पैटर्न और यहां तक कि गाड़ियों के ठहराव तक का विश्लेषण किया गया। इस डाटा के आधार पर संभावित लक्ष्यों की पहचान की गई।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि इस पूरे ऑपरेशन का केंद्र खामेनेई थे। जानकारी के अनुसार, उनके आवास और आसपास की गतिविधियों पर विशेष नजर रखी गई। यह साफ संकेत देता है कि यह हमला केवल निगरानी तक सीमित नहीं था, बल्कि एक संभावित हत्या की योजना का हिस्सा था।

इस पूरे मामले में एक बड़ा सवाल यह उठता है कि इतनी गहरी घुसपैठ आखिर कैसे संभव हुई? रिपोर्ट बताती है कि यह केवल बाहरी हमला नहीं था, बल्कि इसमें अंदर से मिली मदद या सिस्टम की कमजोरियां भी शामिल थीं। इजराइल ने उन कमजोर कड़ियों को खोजा, जहां से वह पूरे नेटवर्क को अपने नियंत्रण में ले सकता था। यह भी सामने आया है कि कैमरों से प्राप्त डाटा को बाहर के सर्वर तक पहुंचाया गया, जिससे इजराइल को रीयल टाइम निगरानी की सुविधा मिली। इसका मतलब है कि ईरान का पूरा शहरी ढांचा कुछ समय के लिए दुश्मन के नियंत्रण में था।

देखा जाये तो यह घटना आधुनिक युद्ध की दिशा को पूरी तरह बदल देने वाली है। अब युद्ध केवल सीमा पर नहीं लड़े जाएंगे, बल्कि शहरों के भीतर, लोगों के बीच और डिजिटल नेटवर्क के जरिए लड़े जाएंगे। इजराइल ने यह दिखा दिया कि यदि किसी देश का निगरानी तंत्र कमजोर है, तो वही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी बन सकता है।

सामरिक दृष्टि से इजराइल का यह ऑपरेशन कई स्तरों पर महत्वपूर्ण है। एक तो यह साबित करता है कि साइबर और भौतिक युद्ध अब एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। साथ ही निगरानी प्रणाली को हथियार में बदलना भविष्य के युद्धों की नई रणनीति बन सकता है। इसके अलावा, किसी देश के शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचने के लिए अब पारंपरिक तरीकों की जरूरत नहीं रह गई है।

देखा जाये तो इस खुलासे ने पूरी दुनिया को हिला दिया है। यह केवल ईरान की कहानी नहीं है, बल्कि हर उस देश के लिए चेतावनी है जो तकनीक पर निर्भर है। यदि कैमरे, सेंसर और निगरानी प्रणाली सुरक्षित नहीं हैं, तो वह दुश्मन के लिए खुले दरवाजे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम के कई गंभीर निहितार्थ हैं। जैसे कि डाटा ही नया हथियार है यानि जो देश डाटा को नियंत्रित करेगा, वही युद्ध जीतेगा। साथ ही आंतरिक सुरक्षा की अहमियत सर्वाधिक है क्योंकि केवल बाहरी दुश्मन से नहीं, बल्कि सिस्टम की कमजोरियों से भी खतरा है। इसके अलावा, नेतृत्व पर सीधा खतरा है यानि अब किसी भी देश का शीर्ष नेतृत्व सुरक्षित नहीं माना जा सकता।

बहरहाल, इजराइल का यह ऑपरेशन एक संकेत है कि दुनिया किस दिशा में बढ़ रही है। यह खामोश युद्ध है, जहां गोलियां नहीं चलतीं, लेकिन निशाने सटीक होते हैं। जहां दुश्मन दिखाई नहीं देता, लेकिन हर समय मौजूद रहता है। ईरान के लिए यह एक बड़ा झटका है, लेकिन दुनिया के लिए इससे भी बड़ा सबक। अगर अभी भी देशों ने अपनी डिजिटल सुरक्षा को मजबूत नहीं किया, तो आने वाले समय में कैमरे, फोन और नेटवर्क ही उनके खिलाफ सबसे घातक हथियार बन जाएंगे। यह कहानी डरावनी है, लेकिन सच है और यही सच आने वाले युद्धों की नई परिभाषा लिख रहा है।

जलवायु परिवर्तन : भविष्य नहीं वर्तमान का महाविनाशकारी संकट

आज मानव सभ्यता जिस सबसे बड़े संकट के सामने खड़ी है, वह युद्ध, महामारी या आर्थिक मंदी नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन है। दुनिया आज जलवायु संकट के ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां हर नया आंकड़ा खतरे की घंटी बनकर सामने आ रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि 2015-2025 का दशक अब तक का सबसे गर्म दौर रहा है। यह केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि पृथ्वी के बदलते स्वभाव का गंभीर संकेत है। रिपोर्ट बताती है कि ग्रीनहाउस गैसों का स्तर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच चुका है और पृथ्वी का एनर्जी इम्बैलेंस लगातार बढ़ रहा है। महासागर, जो जलवायु संतुलन के सबसे बड़े नियंत्रक माने जाते हैं, अब 90 प्रतिशत से अधिक अतिरिक्त गर्मी सोख रहे हैं। इसका सीधा अर्थ है कि पृथ्वी का तापमान केवल हवा में ही नहीं, जल और भूमि के भीतर भी बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन अब धीरे-धीरे आने वाली समस्या नहीं रही, बल्कि यह वर्तमान का संकट बन चुका है। दुनिया के अनेक हिस्सों में असामान्य गर्मी, बाढ़, सूखा, चक्रवात और जंगल की आग जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। प्रति का संतुलन बिगड़ रहा है और मौसम का मिजाज अनिश्चित होता जा रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा से बाढ़ आ रही है तो कहीं महीनों तक बारिश नहीं हो रही। यह असंतुलन सीधे-सीधे मानव जीवन, कृषि, जल संसाधनों और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। इस बदलते मौसम ने सबसे ज्यादा मनुष्य के स्वास्थ्य पर हमला किया है।

भारत के संदर्भ में यह संकट और भी गंभीर रूप लेता जा रहा

है। पिछले कुछ वर्षों में भारत के अनेक शहरों में तापमान 48 से 50 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि पहले 45 डिग्री को ही अत्यधिक गर्मी माना जाता था। अब असामान्य गर्मी ने फरवरी और मार्च जैसे महीनों को भी झुलसाना शुरू कर दिया है। हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता दोनों बढ़ रही हैं। इसका असर केवल स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि बिजली, पानी, खेती, श्रम, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी ने केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि वन्यजीव, पेड़-पौधे और सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को भी संकट में डाल दिया है। जलवायु परिवर्तन के पीछे सबसे बड़ा कारण मानव का विकास मॉडल है। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई, अनियोजित शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों का अंधाधुंध दोहन पृथ्वी को लगातार गर्म कर रहा है। आज वैश्विक तापमान लगभग एक लाख 25 हजार वर्षों के उच्चतम स्तर के आसपास पहुंच चुका है। यह स्थिति बताती है कि समस्या प्रकृति में नहीं, बल्कि मानव की जीवनशैली और विकास की दिशा में है।

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां इस संकट को और अधिक खतरनाक बना रही हैं। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध की स्थितियां बनी हुई हैं। युद्ध केवल मानव जीवन और अर्थव्यवस्था को ही नष्ट नहीं करते, बल्कि पर्यावरण को भी गहरा नुकसान पहुंचाते हैं। युद्ध में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटक, रसायन, धातु, ईंधन और आग से वातावरण में भारी मात्रा में जहरीली गैसें फैलती हैं। तेल भंडारों में आग, रासायनिक संयंत्रों का नष्ट होना और सैन्य गतिविधियां वातावरण में कार्बन उत्सर्जन को कई गुना बढ़ा देती हैं। इस प्रकार युद्ध और जलवायु परिवर्तन मिलकर पृथ्वी को दोहरे संकट की ओर धकेल रहे हैं। भारत सहित दुनिया के लगभग 75 प्रतिशत जिले किसी न किसी जलवायु जोखिम के दायरे में आ चुके हैं। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी नदियों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। दूसरी ओर समुद्र का जलस्तर बढ़ने से मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे तटीय शहरों पर खतरा मंडरा रहा है। यदि समुद्र स्तर इसी गति से बढ़ता रहा तो आने वाले दशकों में तटीय आबादी का बड़े पैमाने पर विस्थापन हो सकता है। यह केवल पर्यावरण संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट भी बन सकता है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यह स्पष्ट है कि यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कटौती नहीं की गई, तो तापमान के नए-नए रिकॉर्ड टूटते रहेंगे और पृथ्वी रहने योग्य स्थान कम होती जाएगी। जल संकट, खाद्य संकट, स्वास्थ्य संकट और प्रवासन जैसी समस्याएं बढ़ेंगी। दुनिया के अनेक वैज्ञानिक अब चेतावनी दे रहे हैं कि यदि तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का पारिस्थितिक संतुलन गंभीर रूप से बिगड़ सकता है। लेकिन इस संकट में ही अवसर भी छिपा हुआ है। यह समय विकास मॉडल को बदलने का है। ऊर्जा के क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा, जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। शहरों को कंक्रीट के जंगल बनाने के बजाय हरित शहर बनाना होगा। जल प्रबंधन को जन आंदोलन बनाना होगा। वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और नदियों के संरक्षण पर गंभीरता से काम करना होगा। कृषि को जलवायु अनुकूल बनाना होगा, कम पानी वाली फसलों और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। साथ ही जिला स्तर पर हीट एक्शन प्लान, जल संरक्षण योजना, वृक्षारोपण अभियान और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम लागू करने होंगे। जलवायु परिवर्तन से लड़ाई केवल सरकारें नहीं जीत सकतीं, इसके लिए समाज, उद्योग, वैज्ञानिक और आम नागरिक सभी को मिलकर काम करना होगा।

दुनिया की महाशक्तियों के लिए यह समय सबसे बड़ी परीक्षा का समय है। यदि वे केवल आर्थिक विकास और सैन्य शक्ति की दौड़ में ही उलझी रहीं और पृथ्वी के भविष्य की चिंता नहीं की, तो आने वाली पीढ़ियां उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। उन्हें यह समझना होगा कि पृथ्वी बचेगी तो अर्थव्यवस्था भी बचेगी, मानव सभ्यता भी बचेगी और विकास भी बचेगा। यदि पृथ्वी ही तपती और असंतुलित हो गई, तो सारी प्रगति बेकार हो जाएगी। आज आवश्यकता है कि दुनिया की महाशक्तियां कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए कठोर और बाध्यकारी नीतियां बनाएं, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करें, वनों की कटाई रोकें और हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दें। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी का तापमान इतना बढ़ जाएगा कि अनेक क्षेत्र रहने योग्य नहीं रहेंगे। निश्चित तौर पर जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चुनौती नहीं, वर्तमान का संकट है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को एक असंतुलित और तपती हुई पृथ्वी विरासत में मिलेगी। यह तपती हुई पृथ्वी मानव जीवन के लिए विनाश का कारण भी बन सकती है। लेकिन यदि दुनिया समय रहते चेत गई, तो यही संकट एक नए, संतुलित और टिकाऊ विकास मॉडल की शुरुआत भी बन सकता है। पृथ्वी को बचाना अब विकल्प नहीं, मानव अस्तित्व की अनिवार्यता बन चुका है।

चेतना का कुरुक्षेत्र : अंदरूनी संघर्ष, टूटन और आत्ममुक्ति की पूरी यात्रा

मानवीय नियति के गहन अरण्य में विचार और संवेदना के द्वंद्व का अवलोकन करते हुए यह स्पष्ट होता है कि मनुष्य का अंतर्मन प्रायः एक ऐसे रणक्षेत्र में परिणत हो जाता है, जहां एक ओर उसकी नैसर्गिक करुणा है और दूसरी ओर समाज द्वारा आरोपित कृत्रिम आवरण। जब अस्तित्व की गहराइयों से यह प्रश्न उठता है कि 'कब तक?', तो यह केवल समय की सीमा नहीं, बल्कि उस संचित पीड़ा का विस्फोट है, जो सदियों की जड़ता को छिन्न-भिन्न कर देती है।

भारतीय दर्शन की आधारशिला ही इस सत्य पर टिकी है कि आत्मा स्वभावतः मुक्त है, लेकिन वह स्वयं द्वारा रचे गए मोह और आरोपित मूल्यों के पाश में बंध जाती है। जब हृदय के भीतर सत्य और विश्वास के मध्य दरार पड़ती है, तो वह केवल व्यक्तिगत संताप नहीं रह जाता, बल्कि एक संपूर्ण परिवेश के पाखंड पर करारा प्रहार बन जाता है। सन्नाटा जब व्यक्ति के भीतर किसी 'गांठ' की तरह जड़ें जमाने लगे, तो समझना चाहिए कि अब उस मानसिक शल्य-चिकित्सा का समय आ चुका है, जो व्यक्ति को फिर से मौलिक स्वरूप प्रदान करती है।

मानवीय स्वभाव की यह सबसे बड़ी विसंगति रही है कि वह अपनी व्यथा से अधिक परिवेश की अशांति से उद्विग्न रहता है। यह परदुखकातरता ही उसे पाशविक प्रवृत्तियों से पृथक कर दिव्यता के आसन पर आसीन करती है। जब संवेदनशीलता एकपक्षीय हो जाए और सामने वाला इसे अपनी स्वार्थसिद्धि का साधन बना ले, तो जीवन-पथ 'लंबी सड़क' की तरह दुरूह और थकाऊ प्रतीत होने लगता है। तर्क यह है कि यदि आदर्शों की रक्षा केवल एक पक्ष की ही बलि मांगती रहे, तो वे आदर्श नहीं, बल्कि मानसिक शोषण के सूक्ष्म औजार हैं। व्यक्ति इसलिए बेचैन था, क्योंकि उसने दूसरे की बेचैनी को अपना केंद्र बना लिया था। सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों का पाखंड आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी है। जिसे हम 'मूल्य' समझकर अपने कंधों पर ढोते हैं, वे अक्सर दूसरों के द्वारा हमारी मौलिक गति को अवरुद्ध करने के लिए रचे गए सामाजिक षड्यंत्र होते हैं।

महान मनीषियों ने बार-बार रेखांकित किया है कि जो परंपराएं मनुष्य को भीतर से दास बनाती हैं, उनका विध्वंस ही वास्तविक प्रगतिशीलता है। वास्तविक स्वाधीनता का अनुभव उस क्षण घटित होता है, जब मनुष्य अपनी सीमाओं को पहचानकर 'अस्वीकार' करने का प्रचंड साहस जुटाता है। वह आरोपित 'लबादा' उतार फेंकना कोई साधारण भौतिक कृत्य नहीं है, बल्कि यह उस आंतरिक क्रांति का शंखनाद है, जो चेतना के धरातल पर घटित होता है। विद्वानों का मत है कि महानता केवल कष्टों को सहने में नहीं, बल्कि उन कष्टों के मूल कारणों को पहचान कर उसे विसर्जित करने में है। जैसे ही वह कृत्रिम आवरण हटता है, ब्रह्मांड की अनंतता और वायु का सहज प्रवाह व्यक्तित्व का अभिन्न अंग बन जाता है। इस वैचारिक यात्रा का सकारात्मक पक्ष यह है कि 'टूटना' अनिवार्य रूप से अंत नहीं होता, बल्कि यह एक नवीन उदय की प्रतीक्षा है।

'समेटना' जब विवशता बन जाए, तो वह अंततः आत्मिक विनाश का कारण बनता है। जिस प्रकार एक बीज स्वयं को भूमि के अंधकार में तोड़ता है, तभी वह एक विराट वृक्ष के रूप में आकाश की ओर उन्मुख होता है, उसी प्रकार मनुष्य को भी अपनी उन पुरानी पहचानों का उत्सर्ग करना पड़ता है, जो उसके विस्तार में बाधक हैं। कबीर ने इसी निर्भयता को 'मूंड़ मुंड़ाए' और 'घर जारने' के रूपक से समझाया है, जो साहस के बिना संभव नहीं। जब ज्ञान का आलोक उदित होता है, तो वह भय कुहासे की भांति तिरोहित हो जाता है। तर्क यह है कि जो व्यक्ति दूसरों के लिए स्वयं को रिक्त कर सकता है, वह अपनी मुक्ति का द्वार भी स्वयं खोलने की क्षमता रखता है।

शक्ति का असली स्वरूप संचय में नहीं, बल्कि उचित विसर्जन और आत्म-अधिकार में निहित है। 'हक' और 'मजा' वे स्थितियां हैं, जहां व्यक्ति बाहरी प्रतिध्वनियों से ऊपर उठकर अपनी आत्मा की धुन सुनने लगता है। 'आजाद हवा' दरअसल मनुष्य के मौलिक स्वाभिमान का ही पर्यायवाची है, जिसे किसी भी मूल्य पर गिरवी नहीं रखा जा सकता।

भीतरी विखंडन और बाह्य प्रदर्शन के बीच झूलता हुआ प्राणी आखिर 'बस' की उस सीमा पर आकर ही विश्राम पाता है, जहां परिवर्तन अपरिहार्य हो जाता है। 'समेटना' उसे भीतर से खंडित करता रहा, क्योंकि वह अपनी संपूर्ण ऊर्जा को स्वयं को सीमित रखने में व्यर्थ कर रहा था।

यह एक मनोवैज्ञानिक सत्य है कि जो कुछ भी दमन के माध्यम से दबाया जाता है, वह कालांतर में व्यक्तित्व के लिए घातक सिद्ध होता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता केवल वाणी का विषय नहीं है, वह अस्तित्वगत स्वतंत्रता है। जब मनुष्य अपने आंतरिक अधिकारों के प्रति जाग्रत होता है, तो वह केवल स्वयं को नहीं, बल्कि अपने संपर्क में आने वाले हर विचार को आलोकित करता है। महानुभावों का मत है कि सत्य की पगडंडी पर अकेले चलना भी उस भीड़ का हिस्सा होने से कहीं गौरवपूर्ण है, जो पाखंड की ओट में छिपी हो।

यह संताप से स्वाधीनता की ओर एक सफल प्रस्थान है। वह प्रश्न जो प्रारंभ में व्याकुल कर रहा था कि 'मुझे ही क्यों था?', वह अंत तक आते-आते एक ठोस उत्तर में रूपांतरित हो जाता है। वह उत्तर है 'चेतना का जागरण'। संघर्ष ही जीवन की गति है और जो इस संघर्ष से पलायन नहीं करता, उसे ही वह 'आजाद हवा' का परम आनंद प्राप्त होता है। मूल्यों को ताक पर रखकर जीने वाले भले ही सांसारिक दृष्टि से सफल प्रतीत हों, लेकिन मानसिक अखंडता और आत्मिक तृप्ति उसी को प्राप्त होती है, जिसने अपने सत्य के साथ संधि नहीं की।

चांद की नई 'स्पेस रेस' : ताकत, तकनीक और अर्थव्यवस्था की जंग में भारत कहां खड़ा है

अंतरिक्ष अब केवल वैज्ञानिकों की प्रयोगशाला तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह दुनिया की बड़ी ताकतों के बीच शक्ति और वर्चस्व की नई जमीन बन चुका है। इस बदले दौर में चांद एक बार फिर रणनीतिक होड़ का केंद्र बन गया है। अमेरिका और चीन चांद को भविष्य की अंतरिक्ष गतिविधियों, संसाधनों पर वर्चस्व और तकनीकी बढ़त का आधार बनाना चाहते हैं। निजी कंपनियां भी इस दौड़ में उतर चुकी हैं, जिससे अंतरिक्ष अब सरकारों तक सीमित न रह कर बाजार, रोजगार और आम आदमी के भविष्य से जुड़ता जा रहा है। चांद पर जाने की यह जल्दबाजी केवल विज्ञान की जिज्ञासा नहीं, बल्कि आने वाले समय में ताकत की रूपरेखा तय करने की तैयारी है। जो देश आज चांद पर अपनी मौजूदगी मजबूत करेंगे, वही कल अंतरिक्ष से जुड़ी कमाई और बड़े फैसलों पर असर डालेंगे। ऐसे में भारत के सामने भी सवाल है कि क्या वह इस बदलती अंतरिक्ष राजनीति को समझ कर समय रहते अपनी योजना बनाएगा?

मनुष्य सबसे पहले मंगल पर कब पहुंचेगा, यह सवाल लंबे समय तक रोमांच बना रहा। 'स्पेसएक्स' और 'ब्लू ओरिजिन' ने इसी सपने को अपनी पहचान बनाया। एलन मस्क समय सीमा घोषित करते रहे। उद्देश्य था- महत्त्वाकांक्षा दिखाना और प्रतिभा आकर्षित करना। मगर हाल के महीनों में तस्वीर बदली है। हकीकत यह है कि पर्दे के पीछे 'स्पेसएक्स' लंबे समय से नासा के साथ चांद से जुड़े काम में लगी थी। आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत मानव को चांद पर उतारने का जिम्मा इसी का प्रमाण है। उधर, जेफ बेजोस की कंपनी भी तेजी से आगे बढ़ रही है। इससे स्पष्ट है कि अंतरिक्ष की अगली निर्णायक मंजिल मंगल नहीं, बल्कि चांद है।

इसके पीछे सबसे बड़ा कारण नासा की बदलती प्राथमिकताएं हैं। अमेरिका का आर्टेमिस कार्यक्रम चांद पर स्थायी उपस्थिति बनाने की दिशा में बढ़ रहा है। यह केवल वैज्ञानिक प्रयोगों के लिए नहीं, बल्कि भविष्य की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था की नींव रखने का प्रयास है। चांद पर खनिज संसाधन और ऊर्जा के स्रोत मौजूद हैं। इनका उपयोग अंतरिक्ष अभियानों की लागत कम कर सकता है। साथ ही अमेरिका को यह चिंता भी सता रही है कि यदि उसने चांद पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज नहीं कराई, तो चीन यह बढ़त हासिल कर लेगा। उसने चांद पर कई सफल मिशन भेजे हैं और वह 2030 के लिए मानव मिशन की घोषणा कर चुका है।

भारत के लिए इस वैश्विक बदलाव में कई गहरे संकेत छिपे हैं। चंद्रयान-3 के माध्यम से उसने चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफलता से उतर कर यह दिखा दिया कि वह केवल अंतरिक्ष दौड़ का दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय खिलाड़ी है। यह क्षेत्र इसलिए खास माना जाता है, क्योंकि यहां जल और बर्फ के मौजूदगी की संभावना है, जो भविष्य में ईंधन, आक्सीजन और मानव बस्तियों की आधारशिला बन सकती है। इस उपलब्धि के साथ भारत अब उन चुनिंदा देशों की कतार में है जिनके पास चांद तक पहुंचने और वहां उतरने की क्षमता है। यह सफलता केवल वैज्ञानिक गौरव का विषय नहीं, बल्कि रणनीतिक शक्ति का संकेत भी है। इससे भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ी है और इसरो को अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए अवसर मिले हैं।

असली परीक्षा वैज्ञानिक या तकनीकी नहीं, बल्कि आर्थिक भी है। प्रश्न यह नहीं कि भारत चांद तक पहुंच सकता है या नहीं। यह तो वह सिद्ध कर चुका है। असली प्रश्न यह है कि क्या भारत इस सफलता को ऐसी दीर्घकालिक राष्ट्रीय अंतरिक्ष रणनीति में बदल पाएगा, जो देश की अर्थव्यवस्था को नई दिशा दे सके और जोखिमों को कम कर सके। क्या चांद पर नियमित मिशन भेजने, वहां उपलब्ध संसाधनों की खोज और भविष्य की औद्योगिक गतिविधियों के लिए स्पष्ट, समयबद्ध और वित्तपोषित कार्ययोजना है? अंतरिक्ष में हर असफल प्रयास केवल वैज्ञानिक झटका ही नहीं देते, बल्कि भारी आर्थिक नुकसान भी कराते हैं। अरबों रुपए का निवेश, वर्षों की मेहनत और अनगिनत मानव-घंटे एक झटके में दांव पर लग जाते हैं।

यदि भारत इस अवसर को सही ढंग से साधता है, तो अंतरिक्ष क्षेत्र केवल खर्च का मद नहीं रहेगा, बल्कि रोजगार सृजन, उच्च-प्रौद्योगिकी, उद्योगों और नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार भी बनेगा। तब भारत केवल एक सफल मिशन वाला देश नहीं, बल्कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभाने वाली शक्ति होगा। अमेरिका और चीन चांद को भविष्य की अंतरिक्ष गतिविधियों का बड़ा केंद्र बनाने की होड़ में हैं। वे वहां ठिकाने बसाने, संसाधनों पर पकड़ बनाने और निजी कंपनियों के लिए नए मौके खोलने की तैयारी कर रहे हैं। साफ है कि अंतरिक्ष अब केवल विज्ञान का विषय नहीं रहा, बल्कि रोजगार, उद्योग और कमाई की नई जमीन बन चुका है। ऐसे में भारत के सामने भी निर्णायक स्थिति है। क्या वह सिर्फ मिशन भेज कर खुश रहेगा या चांद पर स्थायी मौजूदगी की ठोस योजना बनाएगा? यह सवाल केवल वैज्ञानिकों का नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक के भविष्य से जुड़ा है।

इसरो की कम लागत वाली और भरोसेमंद तकनीक भारत की सबसे बड़ी ताकत है। अब समय आ गया है कि निजी कंपनियों और युवाओं को बड़े पैमाने पर अंतरिक्ष क्षेत्र में शामिल किया जाए। इससे नए उद्योग खड़े होंगे, नौकरियां सृजित होंगी और अंतरिक्ष क्षेत्र आम लोगों की तरक्की का माध्यम बनेगा। हाल के वर्षों में भारत सरकार ने निजी कंपनियों के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र खोला है। नवउद्यम उभर रहे हैं, राकेट और उपग्रह बनाने की पहल हो रही है, लेकिन इस प्रयास को और तेज करने की जरूरत है। चांद और गहन अंतरिक्ष मिशनों के लिए भारी निवेश, दीर्घकालिक नीति चाहिए।

'स्पेसएक्स' और 'ब्लू ओरिजिन' की रणनीति एक अहम सबक देती है कि बड़े सपने दिखाना आसान है, लेकिन काम छोटे और ठोस कदमों से ही आगे बढ़ता है। सीधे मंगल की छलांग नहीं, पहले चांद पर मजबूत कदम जरूरी है। यही रास्ता व्यावहारिक है। चांद पर लगातार उपग्रह भेजने और आगे चल कर मानव मिशन की तैयारी ही हमें बड़े लक्ष्यों तक पहुंचाएगी। जो देश सीढ़ी-दर-सीढ़ी चढ़ता है, वही शिखर पर पहुंचता है। अंतरिक्ष अन्वेषण का भविष्य केवल वैज्ञानिक खोज नहीं, बल्कि आर्थिक गतिविधियों से भी जुड़ा है। उपग्रह सेवाएं, अंतरिक्ष पर्यटन, संसाधन खनन और संचार नेटवर्क आने वाले समय में बड़ी अर्थव्यवस्था का हिस्सा बनेंगे। जो देश अभी तैयारी करेंगे, वही आगे चल कर लाभ उठाएंगे।

'स्पेसएक्स' और 'ब्लू ओरिजिन' का चांद की ओर बढ़ना बताता है कि अंतरिक्ष की दौड़ अब सपनों की कहानी नहीं रही। यह आज राष्ट्रीय शक्ति, रोजगार, उद्योग और तकनीक की सीधी लड़ाई बन चुकी है। जो देश चांद पर अपनी मजबूत मौजूदगी बनाएगा, वही आने वाले समय की दिशा भी तय करेगा। भारत के लिए यह आत्मसंतोष का नहीं, बल्कि साहसिक फैसले लेने का समय है। चंद्रयान-3 की सफलता को केवल उपलब्धि मान कर रुकना काफी नहीं होगा। अब जरूरत है कि हम चांद पर लगातार मिशन भेजें और दीर्घकालिक कार्यक्रम बनाएं। इससे देश में नई नौकरियां बनेंगी, तकनीक आगे बढ़ेगी और आम आदमी को भी इसका लाभ मिलेगा। यदि भारत आज सही फैसले करता है, तो वह सिर्फ अंतरिक्ष तक नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने वाला देश बनेगा।

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का निरीक्षण आयुष्मान व आभा कार्ड बनाने के निर्देश

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। जनपद के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला का मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए उपस्थित पाए गए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा करते हुए प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिया कि अधिक से अधिक लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड एवं आभा आईडी कार्ड बनाए जाएं, ताकि आमजन को सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके।

इसी क्रम में अपराह्न 3:25 बजे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अमीलौरी का भी निरीक्षण किया गया, जहां व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि स्वास्थ्य मेलों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के अधिक से अधिक लोगों को जागरूक कर योजनाओं से जोड़ा जाए।

विशाल साइकिल यात्रा में सैकड़ों चालकों ने भाग लिया

साइकिल चलाएं ईंधन बचाएं - अमीष दुबे

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। पर्यावरण संरक्षण एवं स्वास्थ्य जागरूकता को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के उद्देश्य से भदोही साइकिलिंग क्लब द्वारा रविवार को निकाली गई। इस प्रेरणादायक अभियान का नेतृत्व क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष अताउल मुस्तफा अंसारी ने किया।

गोपीगंज राष्ट्रीय राजमार्ग बड़ा चौराहा से शुरू हुई साइकिल यात्रा दी सेंट्रल स्कूल बिहरोजपुर पहुंची।

वहां पहुंचने पर दी सेंट्रल स्कूल के प्रबंधक पंडित अमर नाथ दुबे और प्रधानाध्यापक अमीष दुबे अपने अध्यापक और छात्र-छात्राओं के साथ उपस्थित रहें और सभी साइकिल चालकों का फूलमाला और तालियों से जोरदार

स्वागत किया।

दी सेंट्रल स्कूल के प्रबंधक पंडित अमर नाथ दुबे और प्रधानाध्यापक अमीष दुबे ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर साइकिल यात्रा को रवाना किया। सैकड़ों साइकिल चालकों के साथ साइकिल यात्रा पुनः आरंभ होकर गोसाईपुर के आस पास का भ्रमण करते हुए, हम सबने ये ठाना है पुरे उत्तर प्रदेश को स्वस्थ्य बनाना है, सुबह की हवा सौ रोगों की दवा, भारत माता की जय, वन्दे मातरम का नारा लगाते हुए लोगों को स्वास्थ्य और पर्यावरण के बारे में जागरूक करते हुए पुनः दी सेंट्रल स्कूल बिहरोजपुर में इसका समापन हुआ। साइकिल यात्रा में प्रवीण श्रीवास्तव, जितेंद्र पाण्डेय, प्रिंस शर्मा, सुभाष बिंद, अंकिता मिश्रा, बनारसी बिंद, आलोक यादव, खुशी मिश्रा, रुद्र मिश्रा, सहित बड़ी संख्या में युवाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई।

चैत उत्सव पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

लखनऊ। चैत मास के पावन अवसर पर महिला भूमिहार समाज द्वारा एक भव्य चैत उत्सव का सफल आयोजन गोमती नगर मे किया ।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन डा राजलक्ष्मी राय, कुसुम राय, उपासना सिंह, उर्वशी सिंह, पुष्पा सिंह, नीरू राय, नीरू सिंह, इंदु राय, पूनम राय, विभा राय, पूनम सिंह किरन राय, वंदना सिंह. ने किया । इसके पश्चात सभी ने एक से बढकर एक कार्यक्रम ने सभी का मन मोह लिया, जिनमें लोकगीत, लोकनृत्य, भजन तथा सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति प्रमुख रहे। विशेष रूप से चैत पर्व से जुड़े पारंपरिक गीतों एवं नृत्यों ने दर्शकों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का कार्य किया।

महिला भूमिहार समाज की संस्थापिक् ने बताया कि ' इस कार्यक्रम का उद्देश्य नई पीढ़ी को भारतीय परंपराओं एवं लोक संस्कृति से परिचित कराना है। कार्यक्रम के दौरान अपने समाज की महिलाओ ओ मंच प्रदान किया गया, जिससे उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहन मिला। ऐसे आयोजन समाज में एकता, सांस्कृतिक जागरूकता और पारंपरिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के आयोजनों को जारी रखने की अपील की।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें सभी अतिथियों, सहयोगियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से, अनिता, , अंजू विद्योतमा नमिता रीता राय पूनम पांडे मधु राय, रीना उपाध्याय सोनामती राय, अल्पना, नीतू कुसुम शर्मा , नूतन, सुमन , सरिता जी पुष्पा भाभी पूनम निरुपमा, रुक्मिणी जी सुनीता पांडेय, मालती ., सविता उर्मिला इंदु राय अर्चना राय पूनम जी , अंकुर प्रिया जी मीरा जी नीलम आदि उपस्थित रही।

राष्ट्रीय पंचायतीराज दिवस पर महजूदा में जुटेंगे 50 जनपदों के पदाधिकारी

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। ग्रामीण सत्ता पंचायतीराज संगठन, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में राष्ट्रीय पंचायतीराज दिवस के अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारियों की प्रदेश कार्यकारिणी की प्रथम बैठक, शपथ ग्रहण एवं स्वागत समारोह का आयोजन ग्राम पंचायत सचिवालय महजूदा, विकासखंड सुरियावां में किया जाएगा।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में प्रदेश के लगभग 50 जनपदों से प्रदेश व मंडल स्तर के पदाधिकारी शामिल होंगे। आयोजन का उद्देश्य संगठन की भावी कार्ययोजना तैयार करना, ग्राम विकास की दिशा तय करना तथा पंचायतीराज व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाना है। कार्यक्रम के दौरान नवनियुक्त पदाधिकारी अपने दायित्वों के प्रति निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण की शपथ लेंगे।

संगठन के संस्थापक एवं प्रदेश अध्यक्ष विवेक चन्द्र अवस्थी ने बताया कि यह आयोजन ग्रामीण विकास को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने सभी आमंत्रित जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों व गणमान्य लोगों से कार्यक्रम में सहभागिता की अपील की है।

वहीं प्रदेश महासचिव राजमणि पांडेय ने कहा कि 'यह आयोजन केवल एक बैठक नहीं, बल्कि गांवों के समग्र विकास की ठोस रूपरेखा तैयार करने का मंच है। संगठन का लक्ष्य है कि पंचायतीराज व्यवस्था को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाते हुए गांवों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाया जाए।'संगठन का मानना है कि सामूहिक प्रयास से ही ग्रामीण विकास की दिशा में ठोस परिवर्तन संभव है।

बाबा बड़े शिव धाम के विकास को 1.47 करोड़ की मंजूरी, जल्द शुरू होंगे कार्य

गोपीगंज। नगर के प्रमुख पौराणिक व ऐतिहासिक धार्मिक स्थल बाबा बड़े शिव धाम के विकास के लिए 1 करोड़ 47 लाख 29 हजार रुपये की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति मिल गई है। इस बहुप्रतीक्षित योजना के तहत धाम परिसर में दो तल का यात्री हाल, भव्य स्वागत द्वार, सड़क निर्माण, आरसीसी बेंच, पेयजल व्यवस्था, सौर ऊर्जा प्रकाश, पुलिस बूथ तथा बारकोड युक्त सूचना बोर्ड विकसित किए जाएंगे।

जानकारी के अनुसार निषाद पार्टी के ज्ञानपुर विधायक विपुल दुबे ने पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह के माध्यम से यह स्वीकृति दिलाई है। कार्यदायी संस्था के रूप में उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम को नामित किया गया है। भाजपा मंडल अध्यक्ष अश्विनी अग्रवाल ने बताया कि जल्द ही भूमि पूजन व शिलान्यास कर निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह व विधायक विपुल दुबे के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस योजना से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

भदोही में नवरात्रि दशमी भव्य भंडारा हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

भदोही। अभोली ब्लॉक के जोधापुर गांव में शनिवार की रात नवरात्रि के समापन अवसर पर चौरा माता मंदिर परिसर में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में क्षेत्र सहित दूर-दराज से आए हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया और श्रद्धापूर्वक प्रसाद ग्रहण किया।

नवरात्रि के पावन नौ दिनों तक मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन, पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों का क्रम चलता रहा। दशमी के दिन भंडारे के साथ इस आयोजन का विधिवत समापन किया गया। मंदिर परिसर में पूरे दिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही, जिससे वातावरण भक्तिमय बना रहा।

रात करीब दस बजे तक लगातार भंडारा चलता रहा, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी भंडारे का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया, जिसमें सभी ग्रामवासियों का सराहनीय सहयोग रहा।

इस अवसर पर महेंद्र प्रताप सिंह, चफनू प्रजापति, चिंतामणि विश्वकर्मा, नायब चौहान, शिव आसरे चौहान, रमाशंकर शर्मा, ग्राम प्रधान श्रीराम यादव, संदीप यादव, वंशीधर, रामजीत विश्वकर्मा, मुन्ना सिंह, रमाशंकर विश्वकर्मा, सुनील सिंह, हरिचंद्र, दीपेश, कृष्ण सहित अन्य गणमान्य लोग एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

स्कूल गेट पर ट्रांसफार्मर हटाने की मांग को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। नगर पालिका गोपीगंज के वार्ड नंबर एक में स्थित प्राथमिक विद्यालय पूरेरजई के मुख्य गेट के सामने लगे ट्रांसफार्मर को हटाने तथा विद्यालय का दूसरा गेट खोलने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने जोरदार प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि विद्युत विभाग द्वारा लगाया गया ट्रांसफार्मर दुर्घटना को खुला न्योता दे रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि ट्रांसफार्मर में खुले तार खंभे से लपेटे गए हैं और विद्यालय के ऊपर से 11 हजार वोल्ट का हाईटेंशन तार गुजर रहा है, जिसके नीचे बच्चे पढ़ाई करते हैं। ऐसे में किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है।

इसके अलावा ट्रांसफार्मर के ठीक सामने विद्यालय का मुख्य गेट होने से रास्ता बेहद संकरा हो गया है, जिससे आपात स्थिति में एम्बुलेंस जैसी आवश्यक सेवाओं का पहुंचना भी मुश्किल है। ग्रामीणों ने मांग की कि बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ट्रांसफार्मर को तत्काल हटाया जाए और विद्यालय का मुख्य गेट पश्चिम दिशा में खोला जाए। प्रदर्शन के दौरान विनोद कुमार, विजय कुमार, दिलीप कुमार, चंदन, अमृतलाल, अजय कुमार, भोला बिंद, गुदना देवी, शकुंतला देवी, मीरा देवी, श्याम कुमारी सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है, ताकि किसी अनहोनी से पहले समस्या का समाधान किया जा सके।

पुलिस का सराहनीय कदम 16 लोगों ने किया रक्तदान

भदोही। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर भदोही पुलिस ने मानवीय संवेदनाओं का परिचय देते हुए पुलिस लाइन ज्ञानपुर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में तथा अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल सहित कुल 16 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर सेवा और समर्पण की मिसाल पेश की। रक्त संग्रहण जिला अस्पताल से आई टीम द्वारा किया गया। रक्तदान करने वालों में शुभम अग्रवाल, निरीक्षक राकेश कुमार सिंह, देवचंद्र राम, कलीम खां, मनोहर लाल, सत्येंद्र चौधरी, सतीश कुमार, विपिन मौर्य, अनुराग यादव, पंकज कुमार गौतम, निर्मल तिवारी, रामेश्वर कुमार, नितिन सिंह, बिट्टू, विनय पाल व आर्यन अग्रवाल शामिल रहे। इस मौके पर एएसपी शुभम अग्रवाल ने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा मानव सेवा का कार्य है और पुलिस विभाग समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी ऐसे कार्यों के माध्यम से निभाता रहेगा। उन्होंने सभी रक्तदाताओं के उत्साह की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम जारी रखने की बात कही।

राष्ट्रवाद, सुशासन, सेवा और समर्पण के सिद्धांतों पर कार्य करता है भाजपा - दीपक मौर्या जिलाध्यक्ष

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के शोहरतगढ़ के राजस्थान अतिथि भवन में भारतीय जनता पार्टी द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत शोहरतगढ़ मण्डल के मण्डल अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, भारत माता एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य, वर्ग प्रभारी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष लालजी त्रिपाठी (पीढ़ाबाबा), पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष साधना चौधरी, सच्चिदानंद चौबे, जिला मंत्री फतेह बहादुर सिंह, अभियान प्रमुख फूलचंद जायसवाल सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मौर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि विचारधारा आधारित संगठन है, जो राष्ट्रवाद, सुशासन, सेवा और समर्पण के सिद्धांतों पर कार्य करता है। उन्होंने कहा कि मण्डल अध्यक्षों एवं पदाधिकारियों को प्रशिक्षण देने का मुख्य उद्देश्य उन्हें पार्टी की नीतियों, सिद्धांतों और कार्यप्रणाली से भली-भांति परिचित कराना है, ताकि वे संगठन को और अधिक मजबूत बना सकें। दीपक मौर्य ने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से पदाधिकारियों को बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय और मजबूत बनाने की जिम्मेदारी दी जा रही है। उन्हें यह भी बताया जा रहा है कि किस प्रकार घर-घर संपर्क कर लोगों को पार्टी की नीतियों और सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराया जाए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बूथ ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है और यदि बूथ मजबूत होगा तो संगठन स्वतः सशक्त

होगा।साथ ही लालजी त्रिपाठी ने कहा कि आजादी के बाद 1951 में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में भारतीय जनसंघ की स्थापना हुई, जिसका उद्देश्य कांग्रेस के एकछत्र प्रभुत्व के बीच एक मजबूत राष्ट्रवादी विकल्प प्रस्तुत करना था। जनसंघ ने राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक मूल्यों और राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता दी तथा जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे का विरोध करते हुए 'एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे' का नारा दिया। उन्होंने बताया कि 1977 में आपातकाल के बाद जनसंघ का जनता पार्टी में विलय हुआ, लेकिन वैचारिक मतभेदों के चलते यह प्रयोग सफल नहीं हो सका। इसके बाद 6 अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी का गठन हुआ, जिसके पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी बने। उन्होंने 'गांधीवादी समाजवाद' के माध्यम से पार्टी को व्यापक जनाधार देने का प्रयास किया। लालजी त्रिपाठी ने आगे कहा कि 1990 के दशक में राम जन्मभूमि आंदोलन और अयोध्या स्थित बाबरी मस्जिद विवाद ने भाजपा के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 6 दिसंबर 1992 की घटना के बाद यह मुद्दा राष्ट्रीय राजनीति का केंद्र बन गया, जिससे पार्टी के जनाधार में तेजी से वृद्धि हुई। उन्होंने इसे भारतीय राजनीति में एक वैचारिक धारा के विकास की यात्रा बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भाजपा नेता एवं चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने कहा कि इस प्रशिक्षण से कार्यकर्ताओं को सीख लेकर पार्टी को मजबूत बनाने के लिए कार्य करना चाहिए, ताकि 2047 तक भारत को विश्व गुरु बनाने का लक्ष्य पूरा किया जा सके। उन्होंने कार्यक्रम के अंत में समापन की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन कृष्णपाल चौधरी एवं रविंद्र वर्मा ने किया। इस दौरान प्रधान संघ जिलाध्यक्ष डॉ. पवन मिश्रा, सांसद प्रतिनिधि सूर्य प्रकाश पाण्डेय, मण्डल अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा, अभिषेक चौधरी, रामकुमार तिवारी, संजय दूबे, अंकित मोदनवाल, बेचन भारती, विनोद मिश्रा, चंदन गिरी, राधेश्याम मिश्रा, अजय चौधरी, निलेश चौधरी, विजय कुमार गुप्ता, राममगन यादव, अरविंद चौधरी, जगदीश चौरसिया, महिला मोर्चा अध्यक्ष देवकीनंदनी चौधरी, निर्मला चौधरी, वंदिनी सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुलिस ने हत्या के प्रयास के आरोप में वांछित दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के चिल्हिया थाना पुलिस द्वारा हत्या के प्रयास में वांछित दो आरोपियो को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के निर्देशन में, मयंक द्विवेदी, क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ के कुशल पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक चिल्हिया राजेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 20/2026 धारा 109(1), 190, 191(2), 191(3), 115(2), 352, 324(4), 333 बीएनएस से सम्बंधित सुभाष निषाद पुत्र पीताम्बर निवासी ग्राम बचड़ा-बचड़ी व धर्मेन्द्र निषाद पुत्र पीताम्बर निषाद निवासी ग्राम बचड़ा-बचड़ी नफर वांछित अभियुक्तगण को ग्राम बचड़ा-बचड़ी से उप निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी, हेड कांस्टेबल ओमपाल गौतम, कांस्टेबल अजय कुमार, कांस्टेबल ओमप्रकाश की टीम ने गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए न्यायालय भेजा।

दो पट्टीदारों के विवाद में एसडीएम का दखल घर के सामने बन रहा निर्माण रुकवाया

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले कोतवाली बांसी क्षेत्र के सिंहोरिया गांव में पट्टीदारों के बीच जमीन को लेकर चल रहे विवाद ने तूल पकड़ लिया है। घर के सामने हो रहे निर्माण को लेकर उत्पन्न विवाद के बाद प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा, जिसके चलते फिलहाल निर्माण कार्य रुकवा दिया है।

गांव निवासी व्यास मिश्रा पुत्र रामबुझारत ने उपजिलाधिकारी बांसी को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि उनके पट्टीदार दिवाकर मिश्रा पुत्र केदारनाथ द्वारा उनके घर के सामने सहन से सटी जमीन पर जबरन निर्माण कराया जा रहा है। प्रार्थी का कहना है कि यदि निर्माण पूरा हो गया तो उनके परिवार का आवागमन पूरी तरह बाधित हो जाएगा और घर से निकलने का रास्ता बंद हो जाएगा।

मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम निखिल चक्रवर्ती ने थाना पुलिस व राजस्व विभाग की टीम को मौके पर भेजकर जांच के निर्देश दिए। प्रशासनिक टीम के पहुंचने के बाद निर्माण कार्य को तत्काल प्रभाव से रुकवा दिया गया। ग्रामीणों के अनुसार, दोनों पक्ष एक ही परिवार से संबंधित हैं और जमीन को लेकर पहले भी कई बार विवाद हो चुका है। बताया जाता है कि पूर्व में आपसी सहमति से निर्माण कार्य हुए थे, लेकिन अब जमीन की स्थिति और रास्ते को लेकर विवाद गहरा गया है। स्थानीय स्तर पर कई बार समझौते की कोशिश भी हुई, लेकिन कोई समाधान नहीं निकल सका।

फिलहाल प्रशासन की जांच जारी है और राजस्व अभिलेखों के आधार पर निर्णय लिया जाएगा। पूरे मामले में अब सभी की नजरें एसडीएम निखिल चक्रवर्ती के अंतिम फैसले पर टिकी हैं, जिससे यह तय होगा कि संबंधित जमीन पर किसका अधिकार है। वैसे जो जमीन है वह डीह की है।

पुलिस ने नाबालिक के साथ का वांछित आरोपी हुआ गिरफ्तार

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के गोल्हौरा थाना पुलिस द्वारा नाबालिग के साथ दुष्कर्म के वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा। जिले के डॉ अभिषेक महाजन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी इटवा पवीन प्रकाश के पर्यवेक्षण एवं रामदेव थानाध्यक्ष थाना गोल्हौरा के नेतृत्व में थाना गोल्हौरा पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 16/2026 धारा 137(2), 87, 64(2) बीएनएस व 5/6 पाक्सो एक्ट से सम्बंधित एक नफर वांछित अभियुक्त चौहान पुत्र पृथ्वीपाल निवासी लोलियनपुरवा लौकाही थाना ईसानगर जनपद खीरी लखीमपुर को बरांव नानकार मोड़ से उप निरीक्षक रमेश चन्द, कांस्टेबल रणजीत यादव की टीम ने गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवामंजीत ही पूर्ण करते हुए न्यायालय भेजा।

समय माता मंदिर परिसर में भव्य भंडारा हजारों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के शोहरतगढ में विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी शनिवार को शोहरतगढ़ क्षेत्र के प्रसिद्ध समय माता मंदिर परिसर में भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। सुबह से ही मंदिर परिसर में प्रसाद की तैयारियां शुरू हो गई थीं। विधि-विधान से पूजन-अर्चन के उपरांत मंदिर कमेटी द्वारा भंडारे का शुभारंभ किया गया, जिसमें लगभग 5 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

वहीं, शुक्रवार की सायंकाल क्षेत्र के व्यवसाई अशोक कुमार मद्धेशिया (पारा वाले) सहित दर्जनों श्रद्धालुओं के सहयोग से भिरंडा स्थित समय माता मंदिर में भी भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन में श्रद्धा और आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे, प्रसाद ग्रहण किया और माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरे मंदिर परिसर में भक्ति, उत्साह और धार्मिक वातावरण देखने को मिला। भंडारे के दौरान व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित रहीं और श्रद्धालुओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखा गया।

इस अवसर पर कमलेश गुप्ता, डब्लू अग्रहरि, उमेश अग्रहरी, अशोक अग्रहरि, मनोज अग्रहरि, शीतल कसौधन, मदन गौड़, अमन ठाकुर, नीलेश वर्मा, मोहित तिवारी, गौरव श्रीवास्तव, नवनीत कश्यप, नंदू गौड़, गोपी रूंगटा, चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, अशोक कुमार मद्धेशिया (पारा वाले), जीतेन्द्र प्रताप सिंह, अखिलेश उपाध्याय, आशीष कौशल, विवेक मद्धेशिया, राणा प्रताप सिंह, वरुण सिंह, वीरू मद्धेशिया, राजकुमार मोदनवाल, कमलेश कुमार गुप्ता, मनोज गुप्ता, महावीर वर्मा, अनूप कसौधन, कुश कुमार मोदनवाल, वीरेंद्र गौड़, सुरेश कसौधन, छोटू गौड़, रामसेवक गुप्ता, राममिलन चौधरी, अजय वर्मा, रिंकू वर्मा, दिलीप वर्मा, नवीन मित्तल, बबलू गौड़, रुपेश वर्मा सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग उपस्थित रहे।

लखनऊ में आयोजिक किया जायेगा सामूहिक विश्वकर्मा होली मिलन समारोह

लखनऊ **(एजेंसी)**। विश्वकर्मा समाज की सभी सामाजिक समितियों द्वारा लखनऊ के कृषि भवन प्रेक्षागृह में सामूहिक विश्वकर्मा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन के साथ हुआ। तत्पश्चात श्रीयशी विश्वकर्मा ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रृंखला में भगवान विश्वकर्मा के भजन के अलावा विभिन्न कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। समारोह में पधारे कवियों ने अपनी कविता और हास्य व्यंग्य के माध्यम से उपस्थित लोगों का मन मोहा। लखनऊ की विश्वकर्मा पांचाल ब्राह्मण सभा सरोजनी देवी लेन, ककुहास पांचाल ब्राह्मण सभा मकबूलगंज, श्री विश्वकर्मा सेवा समिति एचएएल लखनऊ मंडल, विश्वकर्मा नारी शक्ति संगठन लखनऊ, विश्वकर्मा समाज सेवा समिति मोहनलालगंज तथा श्री आदिदेव विश्वकर्मा चैरिटेबल ट्रस्ट लखनऊ के इस संयुक्त प्रयास की उपस्थित जनों द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। समारोह में अतिथि तौर पर विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा, भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉक्टर कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा, समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉक्टर शशिकांत शर्मा, जेलर अनिल विश्वकर्मा, एसडीएम राजेश विश्वकर्मा मौजूद रहे। समारोह के आयोजकगण अखिलेश मोहन विश्वकर्मा, अरुण विश्वकर्मा, सुरेश विश्वकर्मा, सुशील कुमार शर्मा, विजय विश्वकर्मा, राममिलन विश्वकर्मा, रमेश विश्वकर्मा, काशी प्रसाद विश्वकर्मा, रजनी विश्वकर्मा, सुनीता विश्वकर्मा, कमलेश प्रताप विश्वकर्मा, राम मूरत विश्वकर्मा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। उपस्थित लोगों ने वैष्णवी आर्ट के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत फूलों की होली का भरपूर आनंद उठाया।

जेवर एयरपोर्ट उद्घाटन पर सियासत तेज

मायावती ने भाजपा, सपा को सुनाई दो टूक कहा- बसपा सरकार में रखी गई नींव

लखनऊ **(एजेंसी)**। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (जेवर) के प्रथम चरण के उद्घाटन के बाद प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस परियोजना को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस एयरपोर्ट की रूपरेखा और बुनियादी कार्य उनकी सरकार के दौरान ही शुरू हो गए थे।

बसपा प्रमुख ने कहा कि उनकी सरकार के कार्यकाल में ही जेवर एयरपोर्ट और यमुना एक्सप्रेसवे जैसी बड़ी परियोजनाओं की शुरुआत की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय केंद्र में रही कांग्रेस सरकार ने इस परियोजना में अड़चनें डालीं, जिसके कारण इसका कार्य समय पर पूरा नहीं हो सका।

बसपा प्रमुख ने समाजवादी पार्टी पर भी हमला बोलते हुए कहा कि सपा सरकार ने विकास कार्यों पर ध्यान देने के बजाय बसपा सरकार द्वारा किए गए कार्यों को कमजोर करने का प्रयास किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा ने समाज के कमजोर वर्गों के हित में किए गए फैसलों को निष्क्रिय करने और महापुरुषों के नाम पर बने संस्थानों की उपेक्षा करने में समय बिताया।

बसपा प्रमुख ने प्रदेश की जनता से अपील करते हुए कहा कि वे विरोधी दलों की राजनीति और बहकावे में न आएं। उन्होंने 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' की नीति पर भरोसा जताते हुए बसपा को ही प्रदेश के विकास के लिए बेहतर विकल्प बताया।

अपने बयान में उन्होंने पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट की अलग बेंच और अलग राज्य की मांग को भी उठाया। उन्होंने कहा कि यह सपना अब तक अधूरा है और इस दिशा में ठोस कदम उठाए जाने की जरूरत है।

जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन के बाद इस तरह के बयान से प्रदेश में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। अलग-अलग दल इस परियोजना को लेकर अपनी-अपनी भूमिका और योगदान को सामने रख रहे हैं।

नर्स से दरिंदगी! नशीली दवा पिलाकर 3 साल तक रेप करता रहा डॉक्टर, जबरन गर्भनिरोधक दवाएं खिलाईं

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के संभल जिले स्थित एक अस्पताल में कार्यरत नर्स द्वारा दुष्कर्म का आरोप लगाये जाने के बाद एक चिकित्सक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। संभल कोतवाली प्रभारी गजेंद्र सिंह ने बताया कि एक नर्स की शिकायत पर 20 मार्च को चिकित्सक व उसके पिता के खिलाफ यह मुकदमा दर्ज किया गया और मामले की जांच शुरू कर दी गई।

शिकातयकर्ता ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया कि वह चौधरी सराय स्थित एक निजी अस्पताल में दिसंबर 2022 से नौकरी कर रही है और अस्पताल के ऊपर बने कमरे में रहती है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि अस्पताल के संचालक डॉ. जैद ने 2022 से उससे कई बार दुष्कर्म किया। उसने बताया कि तबीयत बिगडने पर आरोपी ने उसे नशीली दवा पिला दी। जिसे पीकर वो बेहोश हो गई। तभी बेहोशी की हालत में डॉक्टर ने उसकी अश्लील तस्वीरें खींच लीं। अगली सुबह डॉक्टर ने उन्हीं तस्वीरों को वायरल करने और नौकरी से निकालने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना शुरू किया। इसके बाद कई बार उससे रेप किया और किसी को इसके बारे में बताने पर जान से मारने की धमकी दी।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि आरोपी के द्वारा उसे जबरन गर्भपात के लिए खिलाई गई दवाइयों से वह बीमार रहने लगी और तनाव में में चली गई। पीड़िता ने शिकायत में बताया कि जब इस बारे में उसने अपनी मां को बताया तो वह दोनों सीधा अस्पताल पहुंची, लेकिन वहां पर पहले से मौजूद आरोपी के पिता असलम ने उनसे दुर्व्यवहार किया। संभल कोतवाली प्रभारी गजेंद्र सिंह ने बताया कि डॉ. जैद ओर मोहम्मद असलम के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

जियो के एरिया मैनेजर से लूट और मारपीट का आरोपी गिरफ्तार

पुलिस से मुठभेड़ में बाएं पैर में लगी गोली दो साथियों की तलाश में दबिश जारी

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में आजमगढ़ जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के शिवाजीनगर हीरापट्टी कांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस मुठभेड़ के दौरान एक शातिर अभियुक्त को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया है, जबकि उसके दो साथी मौके से फरार हो गए।

घटना 25 मार्च 2026 की है, जब जियो कंपनी के एरिया मैनेजर के साथ मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देते हुए उसका लैपटॉप और मोबाइल छीन लिया गया था। मामले में कोतवाली थाने पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी थी। सीसीटीवी फुटेज और साक्ष्यों के आधार पर तीन अभियुक्तों की पहचान की गई थी। 28 मार्च की रात पुलिस टीम संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी, तभी मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी मोहतीघाट क्षेत्र में मौजूद हैं। पुलिस ने घेराबंदी की, लेकिन खुद को घिरता देख

बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में धर्मेन्द्र सिंह उर्फ अभिषेक सिंह के बाएं पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। धर्मेन्द्र सिंह उर्फ अभिषेक सिंह पुत्र अशोक सिंह ग्राम चकलालचंद थाना जीयनपुर आजमगढ़ का निवासी है। गिरफ्तार अभियुक्त के पास से अवैध तमंचा, कारतूस, चोरी का लैपटॉप, मोबाइल, बैग और फर्जी नंबर प्लेट लगी मोटरसाइकिल बरामद हुई है। पूछताछ में उसने अपने साथियों अंशुमान सिंह और राहुल राय के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की है। फिलहाल फरार दोनों अभियुक्तों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है। इस पूरी कार्रवाई को पुलिस की बड़ी सफलता माना जा रहा है।

बिरयानी में नहीं मिला लेग पीस, खिसिया गए बाराती फिर बैंक्विट हॉल बना रणभूमि, चलीं कुर्सियां

लखनऊ **(एजेंसी)**। आजकल शादी का सीजन चल रहा है। हर दिन एक नया ऐसा मामला सुनने को मिल जाता है, जिसे जानकर होश ही उड़ जाते हैं। अब यूपी के अमरोहा के एक बैंक्विट हॉल का वीडियो जोर-शोर से वायरल हो रहा है। दरअसल, अमरोहा में एक शादी समारोह उस वक्त जंग का मैदान बन गया, जब बिरयानी में लेग पीस को लेकर विवाद हो गया। विवाद देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। कुर्सियां चलीं, अफरातफरी मच गई और पूरे बैंक्विट हॉल में भगदड़ जैसे हालात बन गए।

दरअसल, अमरोहा जनपद के हसनपुर नगर स्थित एक बैंक्विट हॉल में हैबतपुर बंजारे से आई बारात ठहरी हुई थी। शादी का माहौल खुशियों से भरा था। रस्में चल रही थीं। कहीं कोई फोटो खींचवाने में बिजी था तो कोई खाना खाने मेंष्ठ। तभी अचानक शोर सुनाई देने लगा। पता चला कि खाने के दौरान बिरयानी में लेग पीस को लेकर कुछ लोगों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते मामूली विवाद ने उग्र रूप ले लिया। बारातियों व स्थानीय लोगों के बीच जमकर मारपीट होने लगी। शादी में पहुंचे गुस्साए लोगों ने एक-दूसरे को कुर्सी उठा-उठाकर और फेंक-फेंककर मारना शुरू कर दिया। इस तरह की मारपीट देखना हर किसी के लिए काफी हैरान करने वाला था। शादी में शामिल हुए मेहमानों में से किसी ने इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया, जिसके बाद से लोगों ने इस वीडियो पर तरह-तरह के रिएक्शन देने शुरू कर दिए।

छुट्टी पर आए बीएसएफ जवान की गोली मारकर हत्या

घर में खून से लथपथ पड़ा मिला शव

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश में मेरठ के इंचौली थाना क्षेत्र में शनिवार शाम को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) का एक जवान अपने घर पर मृत अवस्था में पाया गया। पुलिस के अनुसार, मृतक के शरीर पर गोली लगने का निशान है। धनपुर गांव में घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया।

इंचौली थाना प्रभारी बजरंग प्रसाद ने बताया कि मृतक की पहचान नैन सिंह (35) के रूप में हुई है, जो धनपुर गांव का निवासी था। वह बीएसएफ में कांस्टेबल के पद पर तैनात था और इन दिनों छुट्टी पर घर आया हुआ था। उन्होंने बताया कि मृतक के परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हमलावर की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पीड़ित परिवार के सदस्यों ने बताया कि सिंह की तैनाती पश्चिम बंगाल में थी और वह छह मार्च को अपने घर आया था। नैन सिंह अपने चाचा कमल सिंह के बेटे सूरज की शादी में शामिल होने के लिए गांव आए थे। मृतक के पिता ने बताया कि शनिवार सुबह पत्नी व बेटे जोनी के साथ सरसों की कटाई के लिए खेत में चले गए। दोपहर करीब दो बजे तक नैन सिंह बेडरूम से बाहर नहीं आए। तब छोटे भाई प्रदीप कुमार की पत्नी पिंकी उन्हें उठाने बेडरूम में चली गई। वहां देखा कि नैन सिंह कनपटी पर गोली है। खून से लथपथ शव बेड पर पड़ा हुआ था। देखकर चीख-पुकार मच गई। फिलहाल, पुलिस इस मामले में हर पहलू पर जांच कर रही है।

'मन की बात' में छत्तीसगढ़ की गूंज

जल संरक्षण मॉडल को पीएम मोदी की सराहना मुख्यमंत्री साय बोले- अब बनेगा जन आंदोलन

रायपुर **(एजेंसी)**। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मुख्यमंत्री निवास में प्रधानमंत्री मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 132वीं कड़ी सुनी और इसे राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम देशभर में हो रहे सकारात्मक नवाचारों और जनभागीदारी को एक राष्ट्रीय मंच प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि कोरिया जिले में किसानों द्वारा किए जा रहे जल संरक्षण कार्यों की प्रधानमंत्री द्वारा सराहना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने बताया कि 'आवा पानी झोंकी' जैसे अभिनव मॉडल के जरिए किसानों ने रिचार्ज तालाब और सोख्ता गड्ढों का निर्माण कर वर्षा जल को संरक्षित करने का सराहनीय कार्य किया है, जिससे भूजल स्तर में सुधार हुआ है और यह अन्य क्षेत्रों के लिए भी एक मिसाल बन रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जल संरक्षण अब जन आंदोलन का रूप ले चुका है और छत्तीसगढ़ में भी इसे व्यापक जनभागीदारी से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे जल संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं।

'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा मत्स्य उत्पादन, फिटनेस, शुगर इंटेक में कमी और खेलों को बढ़ावा देने जैसे विषयों पर दिए गए संदेशों को भी मुख्यमंत्री ने उपयोगी और प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इन क्षेत्रों में योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री साय ने पश्चिम एशिया की परिस्थितियों का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में पेट्रोलियम उत्पादों, रसोई गैस और आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अफवाहों से दूर रहें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करें। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि जनभागीदारी के साथ जल संरक्षण को और मजबूत बनाकर छत्तीसगढ़ को जल-संपन्न और समृद्ध राज्य बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, मीडिया सलाहकार कृष्णा दास सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जम्मू- कश्मीर में आने वाले 24 घंटे हो सकते हैं भारी, हिमस्खलन व भूस्खलन की चेतावनी जारी!

श्रीनगर **(एजेंसी)**। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने जम्मू और कश्मीर में आम तौर पर बादल छाए रहने और 30 मार्च तक ऊंचे इलाकों में रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी होने का पूर्वानुमान जताया है। एक अधिकारी ने बताया कि 29 और 30 मार्च की शाम के समय मौसम के बादल छाए रहने की उम्मीद है, और ज़्यादातर जगहों पर बारिश और बर्फबारी की संभावना है। इस दौरान गरज-चमक के साथ तेज़ हवाएं (जिनकी गति 40-50 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है) चलने की भी संभावना है। 31 मार्च को मौसम आम तौर पर बादल छाए रहने की उम्मीद है, और कुछ जगहों पर हल्की बारिश या बर्फबारी के छोटे-छोटे दौर आ सकते हैं। 1 और 2 अप्रैल के बीच, मौसम आंशिक रूप से लेकर आम तौर पर बादल छाए रहने वाला रहेगा, और कुछ जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है। 3 से 4 अप्रैल तक भी ऐसी ही स्थिति रहने की उम्मीद है, और कुछ जगहों पर हल्की बारिश हो सकती है।

5 से 7 अप्रैल के बीच के समय के लिए, पूर्वानुमान के अनुसार आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहने वाला रहेगा, और कुछ जगहों पर हल्की बारिश या बर्फबारी हो सकती है।

जम्मू और कश्मीर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने हिमस्खलन की चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि अगले 24 घंटों के दौरान बांदीपोरा और गांदरबल ज़िलों में 2, 400 मीटर से ऊपर मध्यम स्तर के हिमस्खलन होने की संभावना है। प्राधिकरण ने निवासियों, ट्रेकर्स और यात्रियों को सतर्क रहने और ज़रूरी सावधानियां बरतने की सलाह दी है।

मौसम विभाग ने 29 और 30 मार्च की रात के बीच उत्तरी और मध्य कश्मीर के कुछ ऊंचे इलाकों में मध्यम स्तर की बर्फबारी होने की चेतावनी जारी की है। विभाग ने संवेदनशील जगहों पर भूस्खलन की संभावना के प्रति भी आगाह किया है।

किसानों को 30 और 31 मार्च को खेती-बाड़ी का काम रोकने की सलाह दी गई है, जबकि यात्रियों से ट्रैफिक एडवाइज़री का पालन करने और उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाने को कहा गया है।

प्राधिकरण ने लोगों से इस दौरान ऊंचे इलाकों और हिमस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों में जाने से बचने और सुरक्षा संबंधी दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया है।

दिल्ली में एमसीडी के नियम बदले, अब जेल नहीं पर गंदगी फैलाने से कुत्ता घुमाने तक लगेगा भारी जुर्माना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली नगर निगम के पुराने नियमों में बड़े बदलाव की तैयारी कर ली गई है। वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने लोकसभा में जन विश्वास (प्रावधान संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किया है। इस विधेयक का मुख्य उद्देश्य छोटे अपराधों के लिए जुर्माने की राशि को बढ़ाना और पुराने कानूनों को आज के समय के अनुसार प्रासंगिक बनाना है।

नए विधेयक के तहत, यदि कोई मालिक अपने पालतू कुत्ते को बिना पट्टे के सड़क पर घुमाता है, तो उसे अब 50 रुपये के बजाय 1, 000 रुपये जुर्माना देना होगा। इसी तरह, सड़कों पर मवेशियों (गायों या भैंसों) को बांधने पर भी जुर्माने की राशि 100 रुपये से बढ़ाकर 1, 000 रुपये करने का प्रस्ताव है।

सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने और पेशाब करने वालों पर अब सख्त कार्रवाई होगी। पहले इसके लिए अधिकतम 50 रुपये का जुर्माना था, जिसे अब बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया गया है। गंदगी न हटाने पर पहली बार पकड़े जाने पर चेतावनी दी जाएगी, लेकिन दूसरी बार उल्लंघन करने पर सीधे 500 रुपये का जुर्माना लगेगा। कूड़ा फेंकने या सड़क पर गंदगी बहाने पर भी अब 50 के बजाय 200 रुपये देने होंगे।

विधेयक में कई अन्य नागरिक नियमों के उल्लंघन पर भी दंड बढ़ाया गया है। मकान नंबर मिटाने पर जुर्माना 50 रुपये से बढ़ाकर 1, 000 रुपये करने का प्रस्ताव है। खतरनाक आतिशबाजी पर 50 रुपये की जगह पर अब 500 रुपये देने होंगे। निगम अधिकारी को परिसर में आने से रोकने पर जुर्माना 50 से बढ़कर 500 रुपये होगा। आदेश के बाद भी असुरक्षित इमारत में रहने पर जुर्माना 200 से बढ़ाकर 1, 000 रुपये किया गया है।

विधेयक में एक मानवीय बदलाव भी किया गया है। पुराने नियम (धारा 387) के तहत, यदि कोई सफाईकर्मी बिना सूचना दिए काम से गायब रहता था, तो उसे एक महीने की जेल हो सकती थी। नए प्रस्ताव में इस 'अपराध' की श्रेणी को खत्म कर दिया गया है और जेल की जगह केवल 500 रुपये का जुर्माना लगाने का प्रावधान रखा गया है।

राप्ती नदी में नहाने गए दो चचेरे भाइयों की डूबने से मौत, गांव में मचा कोहराम

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के श्रावस्ती जनपद के इकौना थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां राप्ती नदी में नहाने गए दो चचेरे भाइयों की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसर गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जानकारी के अनुसार, जंगरावलगढ़ी गांव निवासी सूरज (13) पुत्र घनश्याम यादव और अखिलेश (12) पुत्र राजेश यादव रविवार दोपहर गांव के पास बह रही राप्ती नदी में नहाने गए थे। इसी दौरान दोनों किशोर गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे।

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय गोताखोर मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद एक किशोर को नदी से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वहीं दूसरा किशोर नदी में डूबकर लापता हो गया था। स्थानीय गोताखोरों ने करीब दो घंटे की तलाश के बाद उसका शव भी नदी से बरामद कर लिया।

दोनों चचेरे भाइयों की एक साथ मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। पूरे गांव में शोक की लहर है और हर कोई इस हृदयविदारक घटना से स्तब्ध है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि नदी या गहरे जल स्रोतों में नहाते समय सावधानी बरतें, खासकर बच्चों को अकेले नदी में जाने से रोका जाए।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच सरकार का बड़ा आश्वासन

देश में पेट्रोल और डीजल का भरपूर स्टॉक, अफवाहों से बचें

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और युद्ध की स्थिति को देखते हुए भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने रविवार को देश की ऊर्जा सुरक्षा और आपूर्ति को लेकर एक महत्वपूर्ण अपडेट जारी किया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि अंतरराष्ट्रीय हलचल के बावजूद भारत में ईंधन और गैस की कोई कमी नहीं है।

मंत्रालय ने देशवासियों को आश्वस्त किया है कि भारत के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल और डीजल का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। जनता से अपील की गई है कि वे सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से फैलने वाली किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें और न ही घबराएं।

खाद उत्पादन के लिए जरूरी यूरिया संयंत्रों को गैस की आपूर्ति पिछले 6 महीनों के औसत के 70-75इ पर स्थिर बनी हुई है। सरकार ने बताया है कि इस आपूर्ति को पूरी तरह बनाए रखने के लिए अतिरिक्त एलएनजी और आर-एलएनजी की विशेष व्यवस्था की जा रही है, ताकि खेती और उद्योगों पर कोई असर न पड़े।

मार्च महीने के दौरान घरेलू, कमर्शियल, हॉस्टल और कैंटीन जैसी श्रेणियों में 2.9 लाख से अधिक नए गैस कनेक्शन जारी किए गए हैं। इसके अलावा, लगभग 94, 000 मीट्रिक टन एलपीजी लेकर दो बड़े मालवाहक जहाज सुरक्षित रूप से युद्ध प्रभावित क्षेत्र से निकलकर भारतीय तटों की ओर बढ़ रहे हैं। भारत के सभी पोर्ट्स सामान्य रूप से काम कर रहे हैं और कहीं भी जहाजों की भीड़ या रुकावट की खबर नहीं है। सरकार खाड़ी देशों के हालात पर बारीकी से नजर रख रही है। भारतीय दूतावास वहां रह रहे नागरिकों, छात्रों और नाविकों को वीजा और अन्य जरूरी रसद सहायता निरंतर प्रदान कर रहे हैं।

मुंबई इंडियंस बनाएगी बड़ा रिकॉर्ड, यह मुकाम हासिल करने वाली बनेगी पहली आईपीएल टीम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मुंबई इंडियंस रविवार शाम आईपीएल 2026 के अपने पहले मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मैदान पर उतरते ही इतिहास रच दी। पांच बार की चैंपियन यह टीम 300 टी20 मैच खेलने वाली पहली फ्रेंचाइजी टीम बनने जाएगी और यह एक ऐसा मुकाम है जो इस फॉर्मेट में उनकी लंबी मौजूदगी और दबदबे को दिखाता है।

वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई उन चुनिंदा टीमों की लिस्ट में शामिल हो जाएगी जिसमें सिर्फ दो और टीमें हैं, पाकिस्तान की नेशनल क्रिकेट टीम और इंग्लिश काउंटी टीम समरसेट काउंटी क्रिकेट क्लब जिन्होंने टी -20 क्रिकेट में 300 मैचों का आंकड़ा छुआ है। हालांकि एमआई यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली फ्रेंचाइजी टीम के तौर पर सबसे अलग खड़ी होगी।

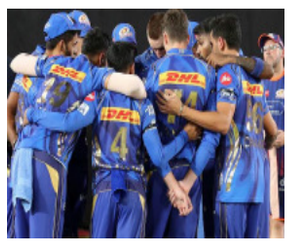

यह मील का पत्थर ऐसे समय आया है जब एमआई पांच साल से चले आ रहे खिताब के सूखे को खत्म करने की अपनी कोशिश शुरू करेगी। आखिरी बार 2020 में ट्रॉफी जीतने के बाद यह फ्रेंचाइजी एक बार फिर टॉप पर अपनी जगह बनाने और संभवतः रिकॉर्ड तोड़ते हुए अपना छठा खिताब जीतने के लिए बेताब होगी। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में टीम के पास एक मजबूत कोर है जिसमें सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह और तिलक वर्मा शामिल हैं ये सभी भारत की हालिया टी -20 सफलताओं के अहम सदस्य रहे हैं। एक बार फिर फॉर्म में लौट रहे रोहित शर्मा भी टीम के अभियान में अहम भूमिका निभाएंगे।

आईपीएल 2026 : डेल स्टेन का एसआरएच पर तीखा हमला

गेंदबाजों ने बिना किसी प्लान के गेंदबाजी की

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। डेल स्टेन ने आईपीएल 2026 के पहले मैच में आरसीबी से मिली हार के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाज़ों की जमकर आलोचना की। स्टेन ने कहा कि टीम ने 200 से ज्यादा रन बनाए, लेकिन गेंदबाज़ों के पास कोई स्पष्ट प्लान नहीं था, जिसकी वजह से टीम मैच हार गई। उन्होंने कहा कि एसआरएच के गेंदबाज़ बिना रणनीति के गेंदबाज़ी कर रहे थे, जिसका फायदा आरसीबी के बल्लेबाज़ों ने उठाया और मैच को एकतरफा बना दिया।

स्टेन ने कहा कि पावरप्ले में ही मैच एसआरएच के हाथ से निकल गया था। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने रन चेज के पावरप्ले में ही 70 से ज्यादा रन बना दिए थे, जिससे मैच का पूरा मोमेंटम बदल गया। एसआरएच के गेंदबाज़ सही लाइन और लेंथ पर गेंदबाज़ी नहीं कर पाए।

उन्होंने यह भी कहा, 'टीम ने गेंदबाज़ों का सही इस्तेमाल नहीं किया, खासकर नितीश कुमार रेड्डी से पूरे ओवर नहीं करवाए गए, जो हैरान करने वाला फैसला था।'

स्टेन ने एसआरएच की बल्लेबाज़ी की तारीफ भी की। उन्होंने कहा, 'कप्तान ईशान किशन ने 80 रन की शानदार पारी खेली और टीम को 200 के पार पहुंचाया। टीम ने बल्लेबाज़ी में आक्रामक रवैया दिखाया, लेकिन गेंदबाज़ी ने पूरी मेहनत पर पानी फेर दिया।'

स्टेन ने कहा, 'एसआरएच जिस तरह की आक्रामक क्रिकेट खेलती है, उसमें गेंदबाज़ों को विकेट लेने होंगे, खासकर हैदराबाद जैसी फ्लैट पिच पर। अगर गेंदबाज़ विकेट नहीं लेंगे तो 200+ स्कोर डिफेंड करना इस टीम के लिए बहुत मुश्किल होगा।' उन्होंने कहा कि टीम को स्मार्ट गेंदबाज़ी करनी होगी और एक प्लान के साथ गेंदबाज़ी करनी होगी, जो आरसीबी के खिलाफ मैच में बिल्कुल नहीं दिखा।

एसआरएच का अगला मुकाबला अब कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ कोलकाता में खेला जाएगा। ऐसे में टीम को अपनी गेंदबाज़ी में सुधार करना होगा, नहीं तो आगे भी टीम को मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप

भारत ने पाकिस्तान को दी करारी हार, टूर्नामेंट से कर दिया बाहर

माले **(एजेंसी)**। ओमांग डोडुम के दो गोलों की बदौलत भारत ने यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 3-0 से करारी हार दी और सैफ (दक्षिण एशियाई फुटबॉल महासंघ) अंडर-20 चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। नेशनल फुटबॉल स्टेडियम में खेले गए इस रोमांचक मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। मैच की तीसरी मिनट में गुरनाज सिंह ने शानदार पास भेजा, जिसे इंडियन सुपर लीग के तीसरे सबसे युवा खिलाड़ी विशाल यादव ने गोल में बदला और भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। पहले हाफ में पाकिस्तान ने कई मौके बनाए, लेकिन भारतीय रक्षा और गोलकीपर सुरज अहेइबम ने उन्हें कोई मौका नहीं दिया। दूसरे हाफ में ओमांग डोडुम ने खेल पर कब्ज़ा जमाया। 64वें मिनट में उन्होंने रिकी की पास से शानदार हेडर किया और भारत की बढ़त दोगुनी की।

88वें मिनट में प्रशान जाजो के पेनल्टी में गिराए जाने पर डोडुम ने इसे टॉप कॉर्नर में बदलकर स्कोर 3-0 किया। डोडुम को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। भारत 28 मार्च को ग्रुप चरण के अपने अगले मैच में बांग्लादेश का सामना करेगा।

आईपीएल 2026 : फिल सॉल्ट की कैच पर मचा बवाल, माइकल वॉन ने उठाए सवाल

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आईपीएल 2026 का आगाज धमाकेदार रहा। आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। जहां विराट कोहली की 69 रनों की धमाकेदार पारी के दम पर आरसीबी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 202 रनों के टारगेट को आसानी से 15.4 ओवर में ही चेज कर दिया।

हालांकि, इस मैच के दौरान एक विवाद हुआ, जिसने खूब सुर्खियां बटोरी। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने अंपायर के फैसले पर भी सवाल उठाए। इसे आईपीएल 2026 की पहली कॉन्ट्रोवर्सी भी कहा जा रहा है।

ये विवाद फिल सॉल्ट की एक कैच को लेकर शुरू हुआ। 14वें ओवर की पहली गेंद पर हेनरिक क्लासेन ने बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया, लेकिन वह चिन्नास्वामी की छोटी बाउंड्री को पार नहीं कर पाए। वहां मौजूद फिल सॉल्ट ने शानदार कैच पकड़ा, लेकिन कैच पकड़ने के दौरान वह बाउंड्री रोप के काफी नजदीक थे।

अंपायर ने तुरंत फैसला थर्ड अंपायर की ओर रेफर किया। रिप्ले में थर्ड अंपायर ने देखा कि सॉल्ट मिड विकेट पर बाउंड्री लाइन के काफी नजदीक थे। ये कहना मुश्किल था कि उन्होंने बाउंड्री रोप को छुआ है या नहीं। मगर थर्ड अंपायर ने कहा मुझे कुशन में कोई हलचल नहीं दिख रही है। जिस वजह से उन्होंने क्लासेन को आउट दिया।

हालांकि, इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का कुछ अलग मानना है। उन्होंने पर मुद्दे को उठाते हुए लिखा कि, मुझे ऐसा लगा जैसे पैर ने बाउंड्री स्पंज को छुआ हो, ये आरसीबी के लिए एक बड़ा फैसला है। समझ नहीं आता कि आप ये कैसे बता सकते हैं और पूरी तरह से पक्का कर सकते हैं कि पैर का कोई हिस्सा स्पंज को नहीं छुआ है.. और स्पंज हिल गया... थोड़ा सा इशारा...।

जापान ग्रांप्री : मर्सिडीज के 19 वर्षीय एंटोनेली ने लगातार दूसरी एफ1 रेस जीती

सुजुका **(एजेंसी)**। मर्सिडीज के 19 वर्षीय ड्राइवर किमी एंटोनेली ने रविवार को जापानी ग्रांप्री में मैकलारेन के ऑस्कर पियास्त्री को पछाड़ते हुए लगातार दूसरी फॉर्मूला वन (एफ1) रेस जीत ली। इटली के एंटोनेली ने ऑस्ट्रेलिया के ड्राइवर को 13.7 सेकंड के अच्छे अंतर से पछाड़ा। फेरारी के चार्ल्स लेक्लेर्क तीसरे और मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल चौथे स्थान पर रहे। मैकलारेन के लैंडो नॉरिस पांचवें और फेरारी के लुईस हैमिल्टन छठे स्थान पर रहे।

एंटोनेली ने अपने करियर की पहली एफवन रेस दो सप्ताह पहले चीन में जीती थी और वह इतिहास के दूसरे सबसे कम उम्र के विजेता हैं। सबसे कम उम्र के विजेता का रिकॉर्ड मैक्स वेरस्टैपेन के नाम है। उन्होंने 2016 में 18 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। एंटोनेली ने चीन में भी पोल पोजीशन (शीर्ष स्थान से रेस शुरू करने का अधिकार) से जीत दर्ज की थी। तीन रेस में एंटोनेली के 72 अंक हैं। वह अब सत्र की ड्राइवर की तालिका में शीर्ष पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए हैं।

एंटोनेली ने कहा, 'चैंपियनशिप के बारे में सोचना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन हम अच्छी स्थिति में हैं।' उन्होंने कहा कि इस जीत के बावजूद उन्हें अपनी शुरुआत को बेहतर करने पर ध्यान देना होगा। इस युवा ड्राइवर ने कहा, 'मेरी शुरुआत खराब रही, मुझे बस यह देखना होगा कि क्या गलत हुआ। मुझे इसमें सुधार करना होगा क्योंकि इससे रेस में जीत या हार का बहुत बड़ा फर्क पड़ता है।'

ग्रीन एनर्जी से लेकर फार्मा तक, 6 कंपनियां लाएंगी हजारों करोड़ के आईपीओ, एसईबीआई की हरी झंडी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय शेयर बाजार में आईपीओ गतिविधियां एक बार फिर तेज होती नजर आ रही हैं। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (एसईबीआई) ने एक साथ छह कंपनियों को पब्लिक इश्यू लाने की मंजूरी दे दी है, जिससे आने वाले दिनों में निवेशकों के लिए नए अवसर खुलने वाले हैं। यह मंजूरी 'ऑब्जर्वेशन' के रूप में दी गई है, जो इस बात का संकेत है कि कंपनियां अब अपने आईपीओ लॉन्च करने के लिए आगे बढ़ सकती हैं।

इन कंपनियों में इंफ्रास्ट्रक्चर, ब्रोकिंग, ग्रीन एनर्जी, केमिकल्स, एजुकेशन टेक और फार्मा जैसे अलग-अलग सेक्टर शामिल हैं। विश्वराज एनवायरमेंट लिमिटेड करीब 2, 250 करोड़ रुपए जुटाने की तैयारी में है और पानी व वेस्ट वाटर मैनेजमेंट प्रोजेक्ट्स पर फोकस करती है। वहीं शाह इन्वेस्टर्स होम लिमिटेड रिटेल ब्रोकिंग सेवाओं के विस्तार के लिए पूरी तरह फ्रेश इश्यू ला रही है।

ग्रीन एनर्जी सेक्टर की सेल इंडस्ट्रीज लिमिटेड 4, 575 करोड़ रुपए का बड़ा आईपीओ लाने जा रही है, जो सोलर और वेस्ट-टू-एनर्जी प्रोजेक्ट्स पर आधारित है। इसके अलावा प्रासोल केमिकल्स लिमिटेड और सिम्बायोटेक फार्मालैब लिमिटेड भी अपने-अपने सेक्टर में मजबूत उपस्थिति के साथ बाजार में उतरने की तैयारी कर रही हैं।

एजुकेशन टेक स्पेस से नोपेपरफॉर्म्स सॉल्यूशंस लिमिटेड भी आईपीओ लाने जा रही है, जो सास प्लेटफॉर्म के जरिए संस्थानों को डिजिटल समाधान प्रदान करती है।

हालांकि, इसी बीच जिंदल सुप्रीम (इंडिया) लिमिटेड ने अपना आईपीओ प्रस्ताव वापस ले लिया है, जो बाजार में सतर्क रुख को भी दर्शाता है।

कुल मिलाकर, एसईबीआई की इस मंजूरी से साफ संकेत मिल रहा है कि आईपीओ बाजार में फिर से तेजी लौट रही है। अलग-अलग सेक्टर की कंपनियों की एंट्री से निवेशकों को डाइवर्सिफिकेशन के बेहतर मौके मिलेंगे, जिससे आने वाले समय में बाजार की गतिविधियां और बढ़ सकती हैं।

कंगाली से जूझते पाकिस्तान को आईएमएफ से मिली बड़ी राहत, 1.2 अरब डॉलर के लोन पर बनी सहमति

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पाकिस्तान और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने दो अलग-अलग व्यवस्थाओं के तहत लगभग 1.2 अरब डॉलर के लिए एक शुरुआती समझौता किया है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने शनिवार को बताया कि दोनों पक्षों ने विस्तारित कोष सुविधा (ईएफएफ) की तीसरी समीक्षा और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने और अन्य पर्यावरण अनुकूल पहल (रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी) से जुड़ी सुविधा के तहत दूसरी समीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न कर ली है। आईएमएफ के प्रतिनिधिमंडल ने 25 फरवरी से दो मार्च तक कराची और इस्लामाबाद में पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ बातचीत की थी, लेकिन उस समय कोई समझौता नहीं हो पाया था। इसके बाद बातचीत ऑनलाइन जारी रही और अंत में मुद्राकोष के अधिकारियों और सरकार के बीच सहमति बन गई।

आईएमएफ ने एक बयान में कहा कि उसके अधिकारियों और पाकिस्तान के अधिकारियों के बीच इन दोनों व्यवस्थाओं की समीक्षा को लेकर सहमति बन गई है। पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय ने भी कहा कि 37 महीने की ईएफएफ व्यवस्था और 28 महीने की आरएसएफ व्यवस्था की समीक्षा पर सहमति बन गई है। आईएमएफ की मिशन प्रमुख इवा पेट्रोवा ने कहा कि बोर्ड की मंजूरी मिलने के बाद पाकिस्तान को ईएफएफ के तहत लगभग एक अरब डॉलर और आरएसएफ के तहत करीब 21 करोड़ डॉलर की राशि मिल सकेगी। पाकिस्तान 2024 में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के सात अरब डॉलर के ईएफएफ कार्यक्रम में शामिल हुआ, जिसका उद्देश्य अर्थव्यवस्था को मजबूत करना, बाजार में विश्वास बहाल करना, राजकोषीय सुधारों को बनाए रखना और ऊर्जा क्षेत्र की अक्षमताओं को कम करना है।

आईपीएल से हटने वाले खिलाड़ियों पर बिफरे सुनील गावस्कर

बीसीसीआई से कर दी खास अपील

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आईपीएल 2026 का आगाज हो चुका है, लेकिन टूर्नामेंट के शुरू होने से ठीक पहले कुछ खिलाड़ियों के अचानक वापस नाम लेने से टीमों का समीकरण बिगड़ गया है। इस लिस्ट में बेन डकेट और हैरी ब्रूक जैसे खिलाड़ियों के नाम शामिल है। दरअसल, बीसीसीआई ने ऐसे खिलाड़ियों के लिए नियम बनाए हैं। जो खिलाड़ी नीलामी में बिकने के बाद अगर टूर्नामेंट से नाम वापस लेता है तो उस पर 2 साल का बैन लगता है। हालांकि, सुनील गावस्कर इससे भी खुश नहीं है। इस पूर्व भारतीय कप्तान ने बीसीसीआई से और सख्त नियम बनाने की अपील की है।

सुनील गावस्कर ने इंडिया टुडे से कहा कि, ये एक मुश्किल मामला है। साफ तौर पर बेन डकेट की एशेज सीरीज बहुत अच्छी रही थी, और अगर उन्हें द हंड्रेड की नीलामी में उतनी बड़ी रकम में नहीं खरीदा गया होता, तो शायद हालात कुछ और होते। ये बात समझी जा सकती है कि द हंड्रेड में अच्छी कीमत पर ख?दे जाने के बाद वह शायद इस सीरीज को छोड़ने और ये कहने में काफी खुश थे कि वह अपने इंग्लैंड टेस्ट करियर पर ध्यान देना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि, लेकिन हां इस बारे में बीसीसीआई को भी सोचना चाहिए कि क्या किया जाना चाहिए, क्योंकि दो साल का बैन साफ तौर पर काम नहीं कर रहा है। आपको कुछ ऐसा करना होगा जिसका असर हो। जब तक इसका खिलाड़ी पर और उसके आईपीएल में वापसी के मौकों पर कोई असर नहीं पड़ेगा, तब तक ये काम नहीं करेगा।

बेन डकेट के आईपीएल 2026 से हटने के फैसले ने खिलाड़ियों की प्रतिबद्धता और लीग के नियमों को लेकर चल रही बहस को फिर से तेज कर दिया है। इंग्लैंड के इस बल्लेबाज को दिल्ली कैपिटल्स ने 2 करोड़ रुपये में साइन किया था लेकिन उन्होंने रेड बॉल क्रिकेट को प्राथमिकता देने और अपने घर पर समय बिताने के लिए इस सीजन से हटने का फैसला किया। उनका ये फैसला एशेज और टी20 वर्ल्ड कप जैसे बेहद व्यस्त अंतर्राष्ट्रीय शेड्यूल के ठीक बाद आया।

फ्लिपकार्ट को भारी पड़ा खराब टैबलेट बेचना उपभोक्ता अदालत ने लगाया जुर्माना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म फ्लिपकार्ट को सेवा में कमी और अपनी ही पॉलिसी का उल्लंघन करना भारी पड़ गया है। दिल्ली के 'डिस्ट्रिक्ट कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल फोरम-3 (वेस्ट)' ने कंपनी को फटकार लगाते हुए पीड़ित ग्राहक को रिफंड और मुआवजा देने का कड़ा आदेश सुनाया है।

यह विवाद साल 2020 का है। विकासपुरी (दिल्ली) के रहने वाले राजीव महाय ने सितंबर 2020 में फ्लिपकार्ट से 10, 999 रुपये में एक 'लेनोवो टैब एम10' खरीदा था। 27 सितंबर को जब टैबलेट की डिलीवरी हुई तो पता चला कि उसका डिस्प्ले खराब है और काम नहीं कर रहा है। शिकायतकर्ता ने उसी दिन फ्लिपकार्ट को इसकी जानकारी दी। कंपनी का टेक्नीशियन घर आया और उसने भी डिवाइस के खराब होने की पुष्टि की। इसके बावजूद फ्लिपकार्ट ने अपनी '30 दिन की रिप्लेसमेंट गारंटी' का पालन नहीं किया और न ही खराब सामान वापस उठाया।

सुनवाई के दौरान फ्लिपकार्ट ने खुद को केवल एक 'इंटरमीडियरी' (बिचौलिया) बताते हुए पल्ला झाड़ने की कोशिश की। कंपनी का तर्क था कि टैबलेट एक थर्ड-पार्टी सेलर ने बेचा है। डिवाइस में खराबी ग्राहक की गलती (फिजिकल डैमेज) की वजह से आई है। हालांकि अध्यक्ष सोनिका मेहरोत्रा की अध्यक्षता वाले फोरम ने इन दलीलों को खारिज कर दिया। कोर्ट ने पाया कि फ्लिपकार्ट ने अपनी ही नीतियों का उल्लंघन किया है। हैरानी की बात यह है कि सुनवाई के दौरान कंपनी ने 15, 000 रुपये के सेटलमेंट का ऑफर भी दिया था जिसे ग्राहक ने ठुकरा दिया।

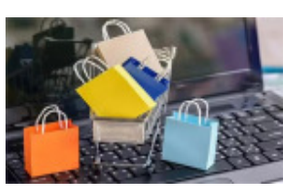

विजय-संगीता विवाद के बीच आरती रवि का सवाल- क्या पति की मार्केट वैल्यू से मिलती है पत्नी को हमदर्दी?

एक्टर और राजनेता विजय, उनकी पत्नी संगीता और तृषा कृष्णन के बीच कथित रिश्तों को लेकर इन दिनों काफी चर्चा है। इसी विवाद के बीच, जयम रवि की अलग रह रही पत्नी आरती रवि ने इंस्टाग्राम पर एक रहस्यमयी पोस्ट शेयर की है, जिसे लोग इस पूरे मामले से जोड़कर देख रहे हैं।

आरती ने अपनी पोस्ट में इस बात पर हैरानी जताई है कि जब पिछले साल जयम रवि और केनिशा फ्रांसिस के साथ जुड़े विवाद सामने आए थे, तब उन्हें वैसा समर्थन क्यों नहीं मिला जैसा आज अन्य महिलाओं को मिल रहा है।

आरती ने अपनी पोस्ट में किसी का नाम लिए बिना सीधे सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा कि यह देखना दिलचस्प है कि अचानक से 'पत्नी की गरिमा' पर चर्चा शुरू हो गई है। उन्होंने पूछा कि क्या किसी महिला के प्रति लोगों की सहानुभूति इस बात पर निर्भर करती है कि उसका पति समाज में कितना ताकतवर या 'बड़ी मार्केट वैल्यू' वाला है?

आरती के मुताबिक, जब उनके साथ ऐसी स्थिति बनी थी, तब लोगों की प्रतिक्रियाएं बहुत दबी हुई थीं। उस समय कई मनगढ़ंत कहानियां बनाई गईं और लोगों ने उन पर आसानी से यकीन कर लिया, जबकि उनकी भावनाओं को समझने की कोशिश नहीं की गई।

आरती ने अपनी बात को खत्म करते हुए लिखा कि किसी भी पत्नी को सार्वजनिक रूप से होने वाला अपमान चुपचाप नहीं सहना चाहिए। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि अब लोग इस मुद्दे पर खुलकर बात कर रहे हैं, लेकिन साथ ही एक जरूरी बात भी याद दिलाई।

उन्होंने कहा कि सम्मान और हमदर्दी सिर्फ ताकतवर लोगों की पत्नियों के लिए नहीं होनी चाहिए। एक पत्नी की गरिमा का पैमाना उसके पति का रुतबा या स्टेटस नहीं होना चाहिए। उनकी यह पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही है और लोग इसे विजय और संगीता के विवाद से जोड़कर देख रहे हैं।

अनंतपुर में विजय-रश्मिका को देखकर पागल हुई भीड़, एक्टर को बनना पड़ा पत्नी का बॉडीगार्ड

एक्टर्स रश्मिका मंदाना और एक्टर विजय देवरकोंडा ने 26 मार्च को आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में अपनी एक महीने की एनिवर्सरी मनाई। इस मौके पर दोनों ने एक स्थानीय हनुमान मंदिर में दर्शन किए। मंदिर में विजय क्रीम कलर के सादे कुर्ते में और रश्मिका नीले सूट में बेहद शालीन नजर आए। जैसे ही फैंस को उनकी मौजूदगी का पता चला, वहां भारी भीड़ जमा हो गई। विजय और रश्मिका मुस्कुराते हुए लोगों का अभिवादन कर रहे थे और उनसे फूल भी स्वीकार किए, लेकिन जल्द ही स्थिति बेकाबू होने लगी।

भीड़ जैसे-जैसे बढ़ने लगी, विजय देवरकोंडा पूरी तरह प्रोटेक्टिव मोड में नजर आए। जब लोग उनके बेहद करीब आने की कोशिश कर रहे थे, तो विजय ने रश्मिका को सुरक्षा देते हुए अपने पास थामे रखा। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि सिक्योरिटी टीम के संघर्ष के बावजूद विजय खुद रश्मिका की ढाल बने रहे और उन्हें सुरक्षित कार तक पहुंचाया। हालांकि इस दौरान भीड़ के बर्ताव से विजय थोड़े परेशान भी दिखे, लेकिन उन्होंने तब तक रश्मिका का साथ नहीं छोड़ा जब तक वह गाड़ी में सुरक्षित बैठ नहीं गईं।

मंदिर से निकलने के बाद यह जोड़ा अपनी फिल्म 'रणबाली' के सेट पर पहुंचा। वहां मौजूद लोगों ने पारंपरिक तरीके से आरती उतारकर उनका स्वागत किया और उन्हें कुमकुम का तिलक लगाया। मंदिर की गहमागहमी के बाद भी सेट पर दोनों काफी शांत और खुश दिखे। इसी दौरान रश्मिका का विजय को प्यार से देखना और मुस्कुराना कैमरे में कैद हो गया।

हमारे मछुआरे सिर्फ समुद्र के योद्धा नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव हैं : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को देश के ''मेहनतकश परिश्रमी मछुआरों'' की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे सिर्फ ''समुद्र के योद्धा'' नहीं हैं बल्कि आत्मनिर्भर भारत की एक मजबूत नींव भी हैं। अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के दौरान मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि चाहे बंदरगाहों का विकास हो या मछुआरों के लिए बीमा, ऐसी कई पहल है जो उनके बहुत काम आ रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमारे मछुआरे भाई-बहन न केवल समुद्र के योद्धा हैं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव भी हैं। वे सुबह होने से पहले समंदर की लहरों से जूझते हुए अपने परिवार के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में जुट जाते हैं।'' मोदी ने स्वीकार किया कि मौसम के रुख का मछुआरों की समुद्री गतिविधियों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने कहा कि इस समस्या के समाधान के लिए तकनीकी प्रगति के माध्यम से उन्हें पूरा सहयोग दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा, ''मुझे बेहद खुशी है कि इन प्रयासों से न केवल हमारे मत्स्य पालन क्षेत्र में सुधार हो रहा है, बल्कि कुछ नया करने का जज्बा भी भर रहा है।'' मोदी ने कहा कि आज मत्स्य पालन क्षेत्र और समुद्री शैवाल (सीवीड) के क्षेत्र में नए-नए प्रयोग हो रहे हैं और हमारे मछुआरे भाई-बहन आत्मनिर्भर बन रहे हैं। उन्होंने कुछ उदाहरण भी दिया जैसे कि ओडिशा के संबलपुर की सुजाता भूयान नाम की एक गृहणी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, ''सुजाता भूयान कुछ नया करके अपने परिवार की और मदद करना चाहती थीं।

इसलिए कुछ वर्ष पहले उन्होंने हीराकुंड जलाशय में मत्स्य पालन शुरू किया। शुरुआती दिन उनके लिए आसान नहीं थे। मौसम में होने वाले बदलाव, मछलियों के खाने का प्रबंध और घर की जिम्मेदारियों के साथ संतुलन बनाने जैसी कई चुनौतियां थीं, लेकिन उनका हौसला अडिग था। केवल दो-तीन वर्ष के भीतर उन्होंने अपने प्रयास को एक फलते-फूलते व्यवसाय में बदल दिया।''

उन्होंने कहा, ''लक्षद्वीप में मिनीकॉय के हाव्वा गुलजार जी की कहानी हमारी माताओं-बहनों की अद्भुत संकल्प-शक्ति को सामने लाती है। दरअसल वे एक मत्स्य प्रसंस्करण इकाई चलाती थीं। लेकिन उन्हें लगा कि उनके पास अगर एक अच्छा 'कोल्ड स्टोरेज' हो तो वे और बेहतर कर सकती हैं, इसलिए उन्होंने 'कोल्ड स्टोरेज' लगाने का फैसला किया। आज

यही उनकी ताकत बन चुका है। अब वे बेहतर योजना के साथ कारोबार कर पा रही हैं।'' उन्होंने कहा कि बेलगावी के शिवलिंग सतप्पा हुद्दार ने पारंपरिक खेती से अलग रास्ता चुना।

इसके लिए उन्होंने एक 'पॉन्ड फार्म' बनाया। इस कारोबार के लिए उन्हें प्रशिक्षण भी मिला। अब अपने तालाब से मछलियों की बिक्री कर वे अच्छी कमाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''इसका उन्हें बड़ा लाभ भी हो रहा है। मैं एक बार फिर मत्स्य पालन क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों की सराहना करता हूं। हमारी अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए उनका प्रयास बेहद प्रशंसनीय है।'' भूयान ने कहा, 'मुझे बहुत खुशी हो रही है क्योंकि हमारे प्रधानमंत्री ने मेरी और मेरे काम की सराहना की है। मैंने 2022 में मछली पालन शुरू किया था और अब सालाना सात से आठ लाख रुपये कमा रही हूं।''

भूयान ने उनके प्रयासों को पहचानने के लिए मोदी और उनके समर्थन के लिए ओडिशा सरकार को धन्यवाद दिया। अपने रेडियो कार्यक्रम के दौरान, मोदी ने ओडिशा के केंद्रपाड़ा के प्रकाश रथ का भी उल्लेख किया जिन्होंने महिला नेतृत्व वाले विकास को आगे बढ़ाने के तरीकों पर अपने विचार प्रकट किए हैं। इस बीच, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने भी 'मन की बात' कार्यक्रम में भूयान और रथ की सफलता की कहानी का जिक्र करने के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''यह पूरे ओडिशा के लोगों के लिए गर्व की बात है।'' उन्होंने कहा, ''भूयान ने 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' (पीएमएमएसवाई) का लाभ उठाते हुए हीराकुड जलाशय में 'पिंजरा संस्कृति' के माध्यम से मछली पालन में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। आज वह लगभग 25 से 30 मीट्रिक टन मछली का उत्पादन करके और सालाना आठ से 10 लाख रुपये कमाकर दूसरों के लिए एक मिसाल कायम कर रही हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि गृहिणी से आत्मनिर्भर उद्यमी बनीं सुजाता की यह प्रेरणादायक यात्रा राज्य की अन्य महिलाओं को भी आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करेगी।

माझी ने सुजाता को उनकी निरंतर मेहनत और सफलता के लिए बधाई दी और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार की 'माई भारत बजट क्वेस्ट' प्रतियोगिता में लगभग 12 लाख युवाओं ने भाग लिया है। हालांकि, 'महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास' पर ओम प्रकाश रथ के निबंध में प्रस्तुत विचार और विश्लेषण ने प्रधानमंत्री को प्रभावित किया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, ''ओम प्रकाश रथ के निबंध की सराहना हमारे राज्य की युवा प्रतिभा की बौद्धिक क्षमता को दर्शाती है। मैं उन्हें इस सफलता के लिए हार्दिक बधाई देता हूं।''

दिल्ली में आग का तांडव : जान बचाने के लिए पहली मंजिल से कूद 4 लोग घायल, फिर मची चीख-पुकार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के गोकलपुरी इलाके में शनिवार देर रात एक इमारत में लगी आग से बचने के लिए पहली मंजिल से कूद जाने के कारण दो साल के बच्चे सहित चार लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अधिकारियों ने बताया कि भूतल पर खड़े दो स्कूटर और एक मोटरसाइकिल में आग लगने के बाद छह मंजिला इमारत में धुआं भर गया और इमारत से आठ लोगों को बचाया गया।

एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना भजनपुरा के पास चांद बाग इलाके के एफ ब्लॉक स्थित एक मकान में रात करीब ढाई बजे हुई। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मियों के घटनास्थल पर पहुंचने से पहले तीन महिलाएं और एक बच्चा इमारत की पहली मंजिल से कूद गए। अधिकारी ने कहा, ''उनकी पहचान निखत (22), रशीदा (50), सोनी (25) और आशिफ (दो) के रूप में की गई है।

चारों को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया है। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।'' उन्होंने बताया कि दूसरी, तीसरी और चौथी मंजिल पर फंसे बच्चों समेत आठ अन्य निवासियों को बचा लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, इमारत की संरचना के कारण उसमें तेजी से धुआं भर गया, जिससे निवासियों के लिए बाहर निकालना मुश्किल हो गया।

अधिकारियों के अनुसार, दमकल की कई इकाइयों को आग बुझाने के काम में लगाया गया और आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि आग पर रविवार तड़के तीन बजकर 50 मिनट तक काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारण का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

पुराने कृत्यों के लिए शाह के खिलाफ 'चार्जशीट' होनी चाहिए : ममता

कोलकाता **(एजेंसी)**। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ राजनीतिक ''चार्जशीट'' (आरोपत्र) जारी किए जाने के एक दिन बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को कहा कि खुद शाह के खिलाफ उनके ''पुराने कृत्यों'' के लिए ''चार्जशीट'' दाखिल होनी चाहिए। बनर्जी ने पुरुलिया में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि यदि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में आती है तो वह महिलाओं के लिए शुरू की गई 'लक्ष्मीर भंडार' योजना बंद कर देगी। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने यह भी आरोप लगाया कि यदि भाजपा राज्य में सत्ता में आई तो लोगों की खानपान संबंधी पसंद पर पाबंदियां लगा दी जाएंगी।

बनर्जी ने कहा, ''अगर भाजपा सत्ता में आती है तो लोग मछली, मांस और अंडे नहीं खा सकेंगे। वे 'लक्ष्मीर भंडार' योजना बंद कर देंगे।'' ममता ने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव से पहले विशेष पुनरीक्षण योजना (एसआईआर) के जरिये 1.2 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

अगले दो साल के भीतर मप्र में हवाई अड्डों की तादाद बढ़कर 10 हो जाएगी : मुख्यमंत्री यादव

भोपाल **(एजेंसी)**। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को कहा कि अगले दो साल के भीतर उज्जैन और शिवपुरी में नये हवाई अड्डों का निर्माण कार्य पूरा होते ही राज्य में हवाई अड्डों की कुल तादाद बढ़कर 10 पर पहुंच जाएगी। यादव इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डे पर नवीनीकृत टर्मिनल भवन, उड़ान यात्री कैफे और आधारभूत ढांचे के उन्नयन से जुड़ी अन्य सुविधाओं के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये इन सुविधाओं का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री यादव ने लोकार्पण समारोह में बताया कि फिलहाल प्रदेश में आठ हवाई अड्डों के साथ ही 20 हवाई पट्टियां और 220 हेलीपैड हैं। उन्होंने कहा, ''उज्जैन और शिवपुरी में अगले दो साल के भीतर हवाई अड्डों का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। इससे सूबे में हवाई अड्डों की कुल तादाद बढ़कर 10 हो जाएगी।''

मुख्यमंत्री ने बताया कि शहडोल, नीमच, छिंदवाड़ा और मंडला की हवाई पट्टियों को क्षेत्रीय संपर्क योजना (रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम) के तहत हवाई अड्डे के तौर पर विकसित करने की योजना बनाई गई है। यादव ने बताया कि उड़ुयन सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रदेश सरकार ने यह भी तय किया है कि हर 145 किलोमीटर पर एक हवाई पट्टी बनाई जाएगी।

अधिकारियों ने बताया कि इंदौर के देवी अहिल्याबाई होलकर हवाई अड्डे के पुराने टर्मिनल भवन का 50 करोड़ रुपये की लागत से नवीनीकरण किया गया है और इसे 'टी-1' (टर्मिनल 1) नाम दिया गया है। उन्होंने बताया कि इस सुविधा के लोकार्पण के साथ ही हवाई अड्डे पर टर्मिनल भवनों की तादाद बढ़कर दो हो गई है और दोनों इमारतों के बूते हवाई अड्डे की सालाना यात्री क्षमता बढ़कर कुल 50 लाख पर पहुंच गई है। अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल इस हवाई अड्डे के जरिये हर रोज 100 से ज्यादा उड़ानों की आवाजाही होती है जिनमें नियमित यात्री उड़ानें और विशेष उड़ानें शामिल हैं।

नेपाल में बड़ा एक्शन : ओली सरकार के दिग्गजों पर कसा शिकंजा पूर्व ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का गिरफ्तार

काठमांडु **(एजेंसी)**। नेपाल में पूर्व ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का को मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उन्हें काठमांडू के महाराजगंज इलाके से हिरासत में लिया। नेपाल पुलिस के केंद्रीय जाँच ब्यूरो के अनुसार, यह कार्रवाई पिछले साल सितंबर में हुए जेन जेड आंदोलन के दौरान सामने आए एक बड़े कैश मामले से जुड़ी है। उस समय खड़का के घर में आग लगने के बाद भारी मात्रा में नकदी मिलने की बात सामने आई थी। इससे पहले केपी शर्मा ओली और पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक को भी आंदोलन को दबाने से जुड़े मामलों में गिरफ्तार किया जा चुका है। खड़का इस मामले में गिरफ्तार होने वाले तीसरे बड़े नेता हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आंदोलन के दौरान 77 लोगों की मौत हुई थी और भारी संपत्ति का नुकसान हुआ था। जांच आयोग ने कई नेताओं पर आपराधिक लापरवाही के तहत केस चलाने की सिफारिश की है। खड़का पर अपने कार्यकाल के दौरान हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स में लाइसेंस और ठेके देने में भ्रष्टाचार के भी आरोप लगे हैं। उन पर पैसे लेकर फैसले करने और जमीन घोटाले में शामिल होने के आरोप भी हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और अन्य नेताओं पर भी कार्रवाई की संभावना जताई जा रही है।

ईरान के खिलाफ महायुद्ध में अमेरिका अकेला नहीं डोनाल्ड ट्रंप का दावा- सऊदी समेत सभी खाड़ी देश साथ

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी युद्ध के बीच सऊदी अरब के संबंधों को लेकर एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। फ्लोरिडा में आयोजित एक निवेश मंच पर बोलते हुए ट्रंप ने दावा किया कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अब उनकी नीतियों की सराहना कर रहे हैं। ट्रंप ने मजाकिया लहजे में कहा कि क्राउन प्रिंस को उम्मीद नहीं थी कि उनके नेतृत्व में अमेरिका इतनी जल्दी और मजबूती से वापसी करेगा।

ट्रंप के अनुसार, सऊदी नेता ने अमेरिकी प्रगति को देखकर आश्चर्य जताया है। उन्होंने कहा कि एक साल पहले तक अमेरिका की अर्थव्यवस्था कमजोर दिख रही थी, लेकिन अब वह दुनिया के सबसे विकसित देशों की सूची में शीर्ष पर है। ट्रंप ने बताया कि सऊदी अरब को पहले लगा था कि यह भी एक असफल अमेरिकी कार्यकाल होगा, लेकिन अब वे अमेरिका के साथ बेहतर संबंध बनाए रखने के लिए मजबूर हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को एक 'शानदार योद्धा' और प्रभावशाली व्यक्तित्व बताया। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब को अपने नेतृत्व पर गर्व होना चाहिए। ट्रंप ने यह भी साफ किया कि ईरान के खिलाफ युद्ध में सऊदी अरब, कतर, यूएई, बहरीन और कुवैत जैसे खाड़ी देशों ने कंधे से कंधा मिलाकर अमेरिका का समर्थन किया है।

ईरान के साथ अमेरिका के युद्ध को अब लगभग एक महीना होने वाला है। इस बीच, खाड़ी देशों ने अमेरिका से पुरजोर मांग की है कि ईरान की मिसाइल और ड्रोन बनाने की क्षमता को पूरी तरह से खत्म किया जाए। ये देश चाहते हैं कि भविष्य में ईरान की ओर से होने वाले किसी भी खतरे को स्थायी रूप से रोक दिया जाए।

नेपाल पीएम का जेन-जेड आंदोलन पर बड़ा फैसला, 27 शहीद छात्रों के परिवारों को दी सरकारी नौकरी

काठमांडू **(एजेंसी)**। नेपाल में प्रधानमंत्री बालेन शाह ने बड़ा फैसला लेते हुए जेन-जेड आंदोलन में मारे गए 27 छात्रों के परिवारों को सरकारी नौकरी देने का ऐलान लागू कर दिया है। 8 सितंबर को हुए इस आंदोलन के दौरान पुलिस फायरिंग में 19 छात्रों की मौके पर मौत हो गई थी, जबकि 8 छात्रों ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद पूरे देश में आक्रोश फैल गया था और सरकार पर लगातार दबाव बन रहा था। प्रधानमंत्री बनने के बाद बालेन शाह ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में इस मुद्दे को प्राथमिकता दी। बैठक में तय किया गया कि सभी पीड़ित परिवारों को सरकारी नौकरी दी जाएगी, ताकि उन्हें आर्थिक सहारा मिल सके। इस फैसले को लागू करते हुए नेपाल विद्युत प्राधिकरण ने 27 परिजनों की सूची जारी की है। इन लोगों को उनकी योग्यता के आधार पर उनके ही जिलों में नौकरी दी जाएगी। सरकार ने कहा है कि चयनित परिजनों को 35 दिनों के भीतर अपने संबंध का प्रमाण देना होगा, जिसके बाद उन्हें नियुक्ति दी जाएगी। यह कदम इसलिए अहम माना जा रहा है क्योंकि सरकार ने चुनाव के दौरान किए गए वादे को जल्दी पूरा किया है। हालांकि विपक्ष और सामाजिक संगठनों का कहना है कि केवल नौकरी देना काफी नहीं है, बल्कि घटना के जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई भी जरूरी है।

दुनिया के लिए नया खतरा बना उत्तर कोरिया अमेरिकी डिफेंस सिस्टम को चुनौती की तैयारी, नया मिसाइल इंजन किया टेस्ट

सियोल **(एजेंसी)**। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने एक शक्तिशाली ठोस ईंधन मिसाइल इंजन के परीक्षण का निरीक्षण किया। सरकारी मीडिया के अनुसार, यह परीक्षण देश की सामरिक सैन्य ताकत को और मजबूत करने के लिए किया गया है। कोरियन सेंट्रल न्यूज़ एजेंसी (केसीएनए) के मुताबिक, इस नए इंजन का थ्रस्ट लगभग 2, 500 किलोटन है, जो पहले किए गए परीक्षणों से काफी ज्यादा है। इससे यह संकेत मिलता है कि उत्तर कोरिया अपनी लंबी दूरी की मिसाइल क्षमता को तेजी से बढ़ा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह के इंजन का इस्तेमाल अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल में किया जा सकता है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका की मुख्यभूमि तक पहुंचने में सक्षम होती हैं।किम जोंग उन ने कहा कि यह परीक्षण देश की सैन्य ताकत को 'सर्वोच्च स्तर' तक पहुंचाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने पहले भी घोषणा की थी कि उत्तर कोरिया को स्थायी परमाणु शक्ति के रूप में स्थापित किया जाएगा।

रिपोर्ट के अनुसार, यह परीक्षण उत्तर कोरिया के पांच-वर्षीय सैन्य विस्तार कार्यक्रम का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य उन्नत हमलावर क्षमताएं विकसित करना है। ठोस ईंधन वाली मिसाइलों की खासियत यह है कि इन्हें तेजी से लॉन्च किया जा सकता है और इन्हें पहले से पहचानना मुश्किल होता है। विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि इंजन की बढ़ी हुई ताकत का इस्तेमाल एक ही मिसाइल में कई वारहेड लगाने के लिए किया जा सकता है, जिससे दुश्मन की रक्षा प्रणाली को चकमा देना आसान हो जाता है।

जेलेंस्की का दावा : रूस दे रहा ईरान को अमेरिका की खुफिया जानकारी, अमेरिका बेस की सैटेलाइट तस्वीरें की लीक

कीव **(एजेंसी)**। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया कि रूस ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों की सैटेलाइट तस्वीरें लेकर ईरान की मदद की। उन्होंने रूस पर प्रतिबंध हटाने पर सवाल उठाए और चेताया कि इससे वैश्विक सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। जेलेंस्की के अनुसार, रूस ने 24 से 26 मार्च के बीच कई महत्वपूर्ण ठिकानों की तस्वीरें लीं। इनमें प्रिंस सुल्तान एयर बेस, अल उदीद एयर बेस, इंसर्लिक एयर बेस और कुवैत व सऊदी अरब के तेल क्षेत्रों के इलाके शामिल हैं। उन्होंने कहा कि बार-बार की गई इस तरह की निगरानी आमतौर पर हमले की तैयारी का संकेत होती है। इस पर उन्होंने सवाल उठाया कि जब रूस इस तरह की गतिविधियों में शामिल है, तो उस पर से प्रतिबंध क्यों हटाए जा रहे हैं। जेलेंस्की ने यह भी कहा कि यह स्थिति पश्चिमी देशों और मिडिल ईस्ट की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है। उनके अनुसार, रूस की यह भूमिका दिखाती है कि वह क्षेत्रीय संघर्ष को और बढ़ा सकता है। इस बीच, यूक्रेन खुद को एक रक्षा तकनीक केंद्र के रूप में पेश कर रहा है। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन ने ड्रोन और एयर डिफेंस सिस्टम में काफी प्रगति की है और वह मिडिल ईस्ट देशों के साथ इस तकनीक को साझा कर रहा है।

ईरान जंग में भारत बना संकटमोचक श्रीलंका को भेजा 38000 टन पेट्रोलियम राजपक्षे ने पीएम मोदी को किया धन्यवाद

कोलंबो **(एजेंसी)**। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते युद्ध ने पूरे मिडिल ईस्ट में तेल सप्लाई और शिपिंग को प्रभावित कर दिया है। ऐसे में भारत ने आर्थिक संकट से जूझ रहे श्रीलंका की मदद के लिए 38, 000 टन पेट्रोलियम भेजकर बड़ा रणनीतिक कदम उठाया है।यह मदद सिर्फ मानवीय नहीं बल्कि रणनीतिक भी मानी जा रही है। होरमुज़ जलसंधि जैसे अहम समुद्री मार्ग पर बढ़ते तनाव के कारण तेल की सप्लाई खतरे में है, जिससे छोटे देशों पर सबसे ज्यादा असर पड़ रहा है। यह कदम 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति के तहत उठाया गया है, जिसका उद्देश्य पड़ोसी देशों की मदद करना है।

श्रीलंका के सांसद नमल राजपक्षे ने इस सहायता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत की जनता का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि भारत ने मुश्किल समय में हमेशा श्रीलंका का साथ दिया है। नमल राजपक्षे ने कहा कि यह कदम भारत की मजबूत पड़ोसी नीति का उदाहरण है और इससे दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत होंगे। उन्होंने क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ाने पर भी जोर दिया। विपक्ष के नेता सजित प्रेमदासा ने भी भारत का आभार जताते हुए कहा कि असली रिश्ते संकट के समय में ही परखे जाते हैं। नमल राजपक्षे ने श्रीलंका सरकार को सलाह दी कि वह भारत के ईंधन कर मॉडल से सीख ले, जिससे आम लोगों पर बोझ कम हो और आर्थिक स्थिति बेहतर हो सके।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।

● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।